दैनिक
करंट क्राइम
www.currentcrime.com
सिर्फ सच...
दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

● नई दिल्ली। सोमवार 13 अक्टूबर-2025 | ● वर्ष : 10 अंक : 294 पेज-08 | ● RNI NO. DELHIN/2015/65364 | ● मूल्य : ₹3

बिहार चुनाव: एनडीए में सीट शेयरिंग का ऐलान

बीजेपी-जेडीयू 101-101 सीटों पर लड़ेगी चुनाव

पटना। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने बिहार के विधानसभा चुनावों के लिए सीट बंटवारे की घोषणा कर दी है। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) और जनता दल (यूनाइटेड) यानी जदयू दोनों 101-101 सीटों पर चुनाव लड़ेंगी। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) को 29 सीटें मिली हैं। राष्ट्रीय लोक मोर्चा को छह सीटें दी गई हैं। हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) को भी छह सीटों पर चुनाव लड़ने का मौका मिला है।

भाजपा महासचिव विनोद तावड़े ने एक्स पर लिखा, संगठित व समर्पित एनडीए...आगामी बिहार विधानसभा चुनाव के लिए एनडीए परिवार के सभी सदस्यों ने सौहार्दपूर्ण वातावरण में आपसी सहमति से सीटों का वितरण पूर्ण किया, जो कि इस प्रकार है :

भाजपा : 101 सीट, जदयू : 101 सीट, लोजपा (रामविलास) : 29 सीट, रालोमो : 06 सीट, हम : 06 सीट। उन्होंने आगे लिखा, एनडीए के सभी दलों के नेताओं व कार्यकर्ताओं ने इस फैसले का खुशी से स्वागत किया है। सभी साथी कमर कस चुके हैं और बिहार में फिर से एनडीए सरकार बनाने के लिए संकल्पित हैं। इस बीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बिहार चुनाव के लिए भाजपा के मुख्यालय में मुख्य चुनाव समिति (सीईसी) बैठक में शामिल होने के लिए पहुंच गए हैं। इस बीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बिहार चुनाव के लिए भाजपा के मुख्यालय में मुख्य चुनाव समिति (सीईसी) बैठक में शामिल होने के लिए पहुंच गए हैं।

कमिश्नरेट पुलिस कर रही है बदमाशों का डाउट क्लियर

जनवरी से अब तक 132 गुंडों को किया जा चुका है आउट

72 अभियुक्तों को स्थानीय थानों में हाजिरी लगाने का दिया गया है निर्देश

गाजियाबाद, करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में कानून व्यवस्था की बेहतर स्थिति को बनाने के लिए लगातार अलग-अलग जोन और अधिकारियों द्वारा प्रयास किया जा रहे हैं। गाजियाबाद में 1 जनवरी 2025 से लेकर अब तक कुल 132 अलग-अलग अभियुक्त को गुंडा एक्ट के लिए 6 महीने अवधि के लिए कमिश्नरेट की सीमाओं से आउट किया गया है।

साथ ही पुलिस उनका वेरिफिकेशन कराने के साथ ही उनकी मौजूदा हरकतों पर भी नजर रखने का काम कर रही है। पुलिस कमिश्नरेट वाले सिस्टम गाजियाबाद में 72 ऐसे जिला बदर आरोपी भी हैं, जिन्हें अपने स्थानीय थानों में हाजिरी लगाने के निर्देश दिए गए हैं। यह कार्रवाई पुलिस कमिश्नर जे रविंदर गौड के निर्देश पर अलग-अलग एडिशनल सीपी और डीसीपी स्तर के अधिकारी कर रहे हैं।

15 अपराधियों को फिर किया गया गुंडा एक्ट के तहत जिला बदर

करंट क्राइम : पुलिस के अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार थाना लिंक रोड के अपराधी सूरज लाल पर तेरह मुकदमे हैं। तो वही विजयनगर के रिजवान अहमद उर्फ रियाजुद्दीन को तीन मुकदमे, खोडा मोहन तीन मुकदमे, विजयनगर के अब्दुल कलाम पर तीन मुकदमे, मसूरी के विशाल पर छह मुकदमे, शालीमार गार्डन के राहुल पर दो मुकदमे, भोजपुर के अफजल पर दो मुकदमे, सिहानी गेट के संजू पर कुल 23 मुकदमे दर्ज हैं। तो वही कुलदीप त्यागी उर्फ मिंटू त्यागी थाना नंदग्राम पर आठ मुकदमे, विष्णु साहिबाबाद पर दो मुकदमे, शोएब उर्फ गोलू थाना लोनी पर छह मुकदमे, अरमान अली साहिबाबाद पर 6 मुकदमे, खोड़ा वसीम सिद्दीकी पर 15 मुकदमे, अंकुर विहार थाने के ऋतिक पर सात और मनजीत उर्फ दीपक थाना कौशाबी पर तीन मुकदमों के चलते उन पर गुंडा एक्ट की कार्रवाई करते हुए 6 महीने के लिए जिला बदल किया गया है।

जिले में नजर आए बाहर किए गए बदमाश तो चौकी प्रभारी होंगे जिम्मेदार

करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में मुख्यमंत्री के निर्देश जीरो टॉलरेंस की नीति का पालन करते हुए पुलिस कमिश्नर जे रविंदर गौड ने बताया है कि जिन भी बदमाशों को जिला बदर किया गया है, अगर वह अपने जिले या क्षेत्र में देखे गए तो उनके संबंधित चौकी प्रभारी को जिम्मेदार मानते हुए उन पर एक्शन लिया जाएगा। इसके साथ ही एसीपी और डीसीपी स्तर के अधिकारियों को उनकी समीक्षा एवं समय-समय पर जांच करने का भी निर्देश दिया गया है।

8 महीने में चली गई 260 लोगों की जान

लापरवाही के चलते एक्सप्रेस-वे पर छिनी है 85 जिंदगियां

- हर साल बढ़ रहा है सड़क हादसों में मृत्यूदर का आंकड़ा

गाजियाबाद, करंट क्राइम : उत्तर प्रदेश में रोड एंड सेफ्टी अभियान को लेकर लगातार बड़े फैसले लिए जा रहे हैं। तो लापरवाही करने वाले वाहन चालकों पर चालान के जरिए कार्रवाई भी हो रही है। इन सबके बावजूद गाजियाबाद में सड़क दुर्घटनाओं और सड़क हादसों में मृत्युदर की संख्या बढ़ रही है। वर्ष 2022 के दौरान गाजियाबाद में कुल 363 लोगों की मृत्यु हुई। तो यह आंकड़ा 2023 में 365 जा पहुंचा। 2024 में 381 और वर्ष 2025 में अगस्त माह तक 260 तक पहुंच गया है। वहीं गाजियाबाद की सड़कों पर सड़क हादसों में भी इजाफा दर्ज किया गया है। पिछले साल जहां 996 लोग सड़क हादसे का शिकार हुए, तो अगस्त माह तक इस वर्ष 729 सड़क हादसे सामने आ चुके हैं।

हादसे और घायलों की संख्या भी बढ़ी

करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में वर्ष 2022 में जहां 886 हादसे हुए। तो 638 लोग घायल हुए हैं। वर्ष 2023 में 991 हादसे हुए, जिसमें 704 लोग घायल हुए। इसके साथ वर्ष 2024 में 996 सड़क हादसों में कुल 781 लोग घायल हुए, तो वर्ष 2025 में अगस्त माह तक 729 सड़क हादसों में 564 लोग घायल हुए हैं।

रफ्तार के कारण एक्सप्रेस-वे पर हो रही है मौत

करंट क्राइम : ट्रैफिक पुलिस गाजियाबाद के आंकड़े बता रहे हैं कि वर्ष 2022 में 363 लोगों की मृत्यु हुई। 2023 में 365 ,2024 में 381 और वर्ष 2025 में अब तक 260 लोगों ने अलग-अलग सड़क हादसों में जान गंवाई है लेकिन दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे बनने के बाद 2025 में अब तक 85 लोग एक्सप्रेस-वे पर सड़क हादसों के शिकार हुए हैं। जिनकी मौत हुई है, इसमें कई दर्दनाक और दिल दहला देने वाले हादसे हुए हैं। तो वही अलग-अलग हादसों में पुलिस कर्मियों की भी जान गई है।

ट्रैफिक रूल जागरूकता के साथ मृत्यु दर रोकना लक्ष्य : सीपी

करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद के कमिश्नर जे रविंदर गौड का कहना है कि लगातार ट्रैफिक रूल्स जागरूकता को लेकर अभियान चलाए जा रहे हैं। बीते दिनों मुख्यमंत्री के निर्देश पर एक महीने का कार्यक्रम चलाया गया। जिसके तहत स्कूल-कॉलेजों, मॉल, बाजारों, चौराहों पर ट्रैफिक रूल्स फॉलो करने की शपथ दिलाई गई, जागरूक किया गया। तो वहीं शहर में 41 चौराहों पर इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम को अक्टूबर माह में शुरू करते हुए सड़क हादसों में कमी लाने के लिए ऑटोमेटिक चालान, हर चौराहे पर हाई डेफिनेशन कैमरे और पुलिस कर्मियों की ड्यूटी ऑवर्स को बढ़ाकर सुरक्षित सफर करने का प्रयास किया जा रहा है।

सोमवार को पार्षद करेंगे सदन सचिव से मिनट्स बुक की डिमांड

उनका कहना केवल पांच पन्ने मिले हैं उनसे नहीं चलने वाला है काम

गाजियाबाद करंट क्राइम। मिनट्स बुक को लेकर कहानी में ट्विस्ट आ गया है। 30 जून को बैठक हुई थी और पूरा जुलाई बीता। अगस्त बीता, सितम्बर बीता और अक्टूबर आ गया। पार्षदों से कहा गया कि मिनट्स बुक इसके पास है, उसके पास है। अपनी ही सरकार में भाजपा के पार्षद विपक्षी दलों के पार्षदों को साथ लेकर धरने पर बैठ गये। वो मिनट्स बुक मांगते रहे और फिर वो लखनऊ में बस लेकर गये और वहां अपनी पूरी बात बताकर आये। इसी बीच क्षेत्रीय अध्यक्ष सतेन्द्र सिसौदिया ने कहा कि मिनट्स बुक मांगना पार्षदों का अधिकार है। इसमें अनुशासनहीनता जैसी कोई बात नहीं है। बीते दिनों बैठक हुई और महानगर अध्यक्ष ने पूर्व एडीजी तथा सरकार के मंत्री और गाजियाबाद जिले के प्रभारी मंत्री असीम अरूण के सामने यह बात रख दी।

शहर विधायक ने उनकी बात का समर्थन किया। इस पर प्रभारी मंत्री असीम अरूण भी हैरान हुआ और उन्होंने डीएम से इस मामले में इंटरवीन करने को कहा। सूत्र बताते हैं कि प्रभारी मंत्री की दखल के बाद मिनट्स बुक का खुलासा हो रहा है। बताया जाता है कि इसके पांच पन्ने पार्षदों के हाथ लग गये है। लेकिन पार्षद ये चाहते हैं कि पूरी मिनट्स बुक उन्हें दी जाये। पार्षद वेलफेयर एसोसिएशन मंगलवार को नगर निगम पहुंचकर सदन सचिव से मिनट्स बुक की डिमांड करेगी। भाजपा पार्षद नीरज गोयल ने करंट क्राइम से बातचीत में कहा कि अभी तक केवल पांच पन्ने प्राप्त हुए है। केवल पांच पन्नों से काम नहीं चलेगा और हम अपनी बात को उचित प्लेटफार्म पर सदन सचिव के सामने रखेंगे और उनसे मंगलवार को मिनट्स बुक की डिमांड करेंगे।

आज कोर्ट में होनी है सुनवाई

करंट क्राइम। हाउस टैक्स में बढ़ोत्तरी के मामले को पूर्व सीनियर पार्षद राजेन्द्र त्यागी, पूर्व पार्षद तथा जीडीए बोर्ड सदस्य हिमांशु मित्तल, पूर्व पार्षद अनिल स्वामी ने चुनौती दी थी। इस मामले में हाईकोर्ट में सुनवाई चल रही है। नगर निगम ने अपना जवाब दाखिल किया था। आज यानि सोमवार को हाईकोर्ट में इस मामले में सुनवाई होनी है। आज सभी की निगाहें हाईकोर्ट पर रहेंगी। हालांकि संभावना ये जताई जा रही है कि अगली तारीख पर इस पूरे ही मामले का पटाक्षेप हो जायेगा।

कौन-सा बड़ा ठाकुर चेहरा चाहता है मुरादनगर विधानसभा से अपनी मुराद पूरी करना

ये चेहरा पहले भी चख चुका है कई बार जीत का स्वाद

गाजियाबाद करंट क्राइम। राजनीति में असली खिलाड़ी वो होते हैं जो तब बिसात बिछाना शुरू करते हैं जब कोई वहां सोच भी नहीं रहा होता। सियासत में चुनाव लड़ना हर बड़े नेता की तमन्ना होती है। बदलती राजनीति में तेजी से समीकरण बदले हैं। कभी मुरादनगर सीट पर भाजपा त्यागी कार्ड नहीं खेलती थी। वो यहां जाट कार्ड खेलती आई है। उसने यहां से बृजपाल तेवतिया को उम्मीदवार बताया। परीसीमन से पहले अशु वर्मा भी भाजपा के टिकट पर विधानसभा का चुनाव लड़ चुके है। लेकिन फिर भाजपा ने यहां अजीत पाल त्यागी को टिकट दिया और यहां त्यागी भी एक जातीय समीकरण हो गया। राजनीति है और ये तेजी से रंग बदल रही है। अब सीटों के समीकरण बदल रहे है। चुनावों से पहले कभी सबसे बड़ी विधानसभा साहिबाबाद में ठाकुर कार्ड की कोई चर्चा चला देता है। कभी धौलाना सीट पर ब्राहम्ण चेहरे के जरिए फूल खिलाने की बात होने लगती है। कभी शहर सीट पर वैश्य समीकरण फोकस में रहता था और अब यहां ब्राहम्ण समीकरण सबसे मजबूत माना जाता है। समीकरण की बात करें तो मुरादनगर में नया समीकरण ठाकुर चेहरे का उदय हुआ है। समीकरण तब उदय हुआ है जब चुनावों को लेकर समीकरण गणित बिठाना शुरू हो गया है। सवाल यही है कि आखिर ये कौन सा ठाकुर चेहरा है जो मुरादनगर में अपनी चुनावी मुराद पूरी करना चाहता है। सूत्र बताते हैं कि ये चेहरा बाहरी है या लोकल है इस पर तो सस्पेंस है। लेकिन ये चेहरा कई बार चुनावी जीत का स्वाद चख चुका है। सूत्र बताते हैं कि इस चेहरे के कदम कई मजबूत दरवाजों पर पड़ चुके है और इस चेहरे ने अपनी आमद दर्ज कराई है। बताया जाता है कि ये चेहरा इस समीकरण के साथ भी है कि बगल वाले जिले में तीन ठाकुर चेहरे विधायक है। नोएडा से तीनों ठाकुर विधायक है और यहां कोई समीकरण प्रभावित नहीं हुआ। ऐसे में अगर गाजियाबाद जिले में ठाकुर कार्ड चला जाता है तो ये ठाकुर वर्ग का भी प्रतिनिधित्व होगा।

सूत्र बताते हैं कि इस चेहरे के पैरोकार मजबूत है और कई बड़े दरवाजों पर मजबूत दस्तक देकर दावेदारी का आगाज हो चुका है। वैसे भी जो ठाकुर चेहरे मजबूत दरवाजों पर दस्तक दे रहे है। उनकी जानकारी विधायक जी तक भी पहुंच चुकी है। विधायक जी भी यहां की राजनीति के प्रोफेसर माने जाते हैं और कहा जाता है कि विधानसभा में चल रही सियासी तरंगों तक की जानकारी उनका रडार कैच कर लेता है। ऐसे में इस ठाकुर फेस की भी पूरी जानकारी उनके पास है।

सियासत में और कितने बड़े संदेश देंगे सांसद अतुल गर्ग

संगठन के बड़े चेहरों की आमद लिख रही है सियासत में उनका बढ़ता कद

- सांसद अतुल गर्ग की गेस्ट लिस्ट में राष्ट्रीय महामंत्री संगठन बीएल संतोष- राष्ट्रीय महामंत्री सुनील बंसल के बाद अब कौन होगा अगला चेहरा

गाजियाबाद करंट क्राइम। लोकसभा सांसद अतुल गर्ग केवल गाजियाबाद की राजनीति के बड़े नायक नहीं है। वो अब राष्ट्रीय राजनीति का चेहरा है। उन्होंने खुद को एक ऐसे फेस के रूप में स्थापित किया है जो राजनीति में उनके मजबूत बेस की दास्तां लिख रहा है। अतुल गर्ग राजनीति में लगातार सरप्राईज दे रहे है। विधायक बने और फिर मंत्रीमंडल में मंत्री बने। खाद एवं रसद राज्यमंत्री बने और फिर वो उत्तर प्रदेश के स्वास्थ्य एवं चिकित्सा मंत्री बने। इसके बाद उन्होंने जबरदस्त राजनीतिक कमाल किया और जनरल वीके सिंह को रिप्लेस करते हुए वो सांसद उम्मीदवार बने। ये एक बड़ा झटका सियासत में था और इसे सियासी ताकत का मुलाहिजा भी कहा जा सकता है। मुस्कुराते हुए बड़े आराम से उन्होंने वो काम कर दिया जिसके बारे में सब सिर्फ सोच रहे थे। अतुल गर्ग लोकसभा सांसद बने और फिर वो देखते ही देखते संगठन की उस गुडबुक में आये हैं जिसे डिसीजन मेकिंग गुड बुक कहा जाता है। संगठन की उस किताब का हिस्सा हैं जिसमें आना ही अपने आप में खिताब माना जाता है। इसके बाद अतुल गर्ग भाजपा की ओर से चंडीगढ के प्रभारी बने और उन्होंने फिर गजब की परफोर्मेंस दिल्ली चुनाव में दिखाई। वो भाजपा दिल्ली प्रदेश के सहप्रभारी चुनाव बनाये गये और सहप्रभारी के रूप में वो सब पर भारी पडे.और इतने भारी पडे.कि यहां लगातार जमी आम आदमी पार्टी को उखाड़ फेंका और भाजपा की सरकार आ गई। अतुल गर्ग राजनीति का ऐसा चेहरा जो तीन देशों की विदेश यात्रा में उस दल का हिस्सा बन कर गये जिसमें महामहीम राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु दल का नेतृत्व कर रही थी। इसके बाद जब ऑपरेशन सिंदूर में देश की धरती पर भारत का पक्ष रखना था तो यहां सर्वदलीय सांसद प्रतिनिधि मंडल में अतुल गर्ग एकमात्र यूपी के ऐसे सांसद थे जो इस दौरे के लिए सरकार के मानकों पर खरे उतरे। राजनीति में चीजें एक संदेश देती चलती हैं और सियासत के लोग इन बातों को समझते है। अब धीरे-धीरे राजनीति में अतुल गर्ग का कद राष्ट्रीय फ्रेम वाले राह पर अग्रसर है। उनके कद में इजाफा हुआ है और ये कद बता रहा है कि आने वाली भाजपा के वो सबसे मजबूत किरदार बनकर एक नई इबारत लिखने जा रहे है। अतुल गर्ग लोकसभा सांसद हैं। दिल्ली चुनाव में भाजपा की जीत के बाद गुडबुक में उनका ग्राफ बढा है और अब वो अपनी कर्मभूमि गाजियाबाद में एक बड़ा संदेश दे रहे है। वो एक बीत चुके युग का संदेश दे रहे है। वो एक आने वाले युग का संदेश दे रहे है। अतुल गर्ग बड़े संदेश दे रहे हैं और वो जो कार्यक्रम गाजियाबाद में कर रहे है। यहां पर उनके कार्यक्रम में उन चेहरों की आमद हो रही है जिन्हें भाजपा में नीति निर्धारक चेहरे कहा जा रहा है। इन चेहरों का अतुल गर्ग के कार्यक्रम में आना ही इस बात का संकेत है कि क्या चल रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस पर सेवा पखवाड़े में बीएल संतोष आये। बीएल संतोष भाजपा में राष्ट्रीय महामंत्री संगठन है। सब जानते हैं कि राष्ट्रीय महामंत्री संगठन का भाजपा में क्या कद होता है और उनके कदमों की आमद ही उस व्यक्ति का कद बताती है जिसके कार्यक्रम में वो जाते है। बीएल संतोष गाजियाबाद आये और अब फिर से अतुल गर्ग के कार्यक्रम में राष्ट्रीय महामंत्री सुनील बंसल आये। सुनील बंसल उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक ऐसा कद संगठन में रहे हैं जिन्हें नेक्स्ट टू चीफ मिनीस्टर कहा जाता है वो प्रदेश संगठन महामंत्री रहे हैं और अब वो राष्ट्रीय महामंत्री है। ये वो चेहरे हैं जिनसे समय लेने के लिए ही वेटिंग लिस्ट चलती है और अतुल गर्ग की कहानी में ये ट्विस्ट है कि ये चेहरे खुद चलकर उनके कार्यक्रम में आये है। अतुल गर्ग राजनीति में एक अलग अंदाज में चल रहे है और उन्होंने एक बड़ी लकीर खींची है। जाहिर सी बात है कि लोकसभा सांसद अतुल गर्ग सियासत में मजबूत हो रहे है और वो लगातार इसके संदेश देते चल रहे है। सवाल अब यही है कि अतुल गर्ग और कितने बड़े संदेश देंगे। अब उनके लिए भी कहा जाने लगा है कि अगर वो चुप रहें तो बेहतर समझो और अगर किसी के लिए भी अब वो बोल दें तो ये मानकर चलों कि ये शब्द किसी की भी सियासी तकदीर खोल देंगे। अतुल गर्ग ने लोकसभा सांसद बनने के बाद लगातार एक संदेश दिया है कि राजनीति में उनका कद संगठन से लेकर सरकार तक क्या है। अब सब इसी बात का इंतजार कर रहे हैं कि अतुल गर्ग राजनीति में और कितने बड़े मैसेज देंगे।

महागठबंधन में सीट शेयरिंग पर फंसा पेच

दिल्ली में राहुल गांधी से होगी तेजस्वी यादव की मुलाकात?

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के लिए महागठबंधन में सीट बंटवारे को लेकर अब भी सहमति नहीं बन पाई है। तकरार इस कदर बढ़ गई है कि अब आरजेडी नेता तेजस्वी यादव दिल्ली पहुंच रहे हैं, जहां उनकी राहुल गांधी से मुलाकात तय मानी जा रही है। पटना में लगातार बैठकों के बावजूद बात नहीं बन पा रही, इसलिए अब फैसला दिल्ली स्तर पर किया जाएगा।

सूत्रों की मानें तो कांग्रेस ने राजद के 50 सीटों के ऑफर को ठुकरा दिया है और कांग्रेस 60 सीटों पर लड़ने को अड़ी है। वहीं कांग्रेस ने राजद को अगले 24 घंटे का अल्टीमेटम दिया है कि सीट शेयरिंग पर फाइनल फैसला करिए नहीं तो कांग्रेस पहले चरण को लेकर अपने उम्मीदवारों की सूची जारी करेगी।

वहीं आरजेडी 130 से 138 सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी में है और वह किसी सहयोगी दल के दबाव में आने को तैयार नहीं है। पार्टी का कहना है कि गठबंधन में उसका जनाधार सबसे बड़ा है, इसलिए टिकटों का बंटवारा भी उसी अनुपात में होना चाहिए।

कांग्रेस को 50 से ज्यादा सीटें देने को तैयार नहीं आरजेडी : कांग्रेस को लेकर सबसे बड़ा विवाद सामने आया है। आरजेडी कांग्रेस को 50 से ज्यादा सीटें देने को तैयार नहीं है, जबकि कांग्रेस अपने पुराने जनाधार और सिटिंग सीटों के आधार पर अधिक हिस्सेदारी चाहती है। इतना ही नहीं, तेजस्वी यादव की नजर कांग्रेस की कुछ मौजूदा सीटों पर भी है, जिससे दोनों दलों के बीच तनातनी बढ़ गई है।

उधर, पशुपति पारस की पार्टी के साथ भी आरजेडी की बातचीत अटक गई है। पारस आठ सीटों की मांग पर अड़े हैं, लेकिन तेजस्वी यादव ने उन्हें अपनी पार्टी का विलय करने का ऑफर दे डाला। इसके बाद पारस की पार्टी ने आपात बैठक बुला ली है।

लेफ्ट दलों के साथ भी बढ़ी समीकरण को लेकर मुश्किल : लेफ्ट दलों के साथ भी समीकरण मुश्किल हैं। सीपीआई (एमएल) 30 सीटों की मांग कर रही है, लेकिन तेजस्वी 22 से ज्यादा देने को तैयार नहीं। सीपीआई 24 सीटों की लिस्ट लेकर आई है, मगर आरजेडी केवल सात सीटें छोड़ने पर अड़ी है। इसी तरह सीपीएम 10 सीटों की मांग कर रही है, लेकिन तेजस्वी पांच सीटों से ज्यादा देने को तैयार नहीं हैं। वहीं मुकेश सैनी को भी 30 सीटों की चाह है, पर आरजेडी ने उन्हें केवल 18 सीटों का प्रस्ताव दिया है।

बीजेपी और सहयोगी दलों के बीच नहीं हुआ कोई समझौता : इधर, एनडीए खेमे में भी सीट बंटवारे पर पेच फंसा हुआ है। दिल्ली में लगातार बैठकें चल रही हैं। सूत्रों के मुताबिक चिराग पासवान 29 सीटों, उपेंद्र कुशवाहा सात सीटों और जीतन राम मांझी भी अपने हिस्से की सीटों को लेकर अड़े हुए हैं।

लखनऊ में कोडीन युक्त कफ सिरप बेचने वाला गिरफ्तार... नशेड़ियों को ऊंचे दाम पर देता था दवाएं

लखनऊ में कोडीन युक्त कफ सिरप और अन्य नशीली दवाओं के कारोबार का मंडाफोड़ हुआ है। यहां एफडीए टीम ने दीपक मनवाणी नाम के आरोपी गिरफ्तार किया, जिसके घर और गोदाम से भारी मात्रा में प्रतिबंधित दवाएं मिली हैं। आरोपी अमीनाबाद के न्यू मंगलम एजेंसी और अन्य केमिस्टों से बिना बिल के दवाएं खरीदकर नशेड़ियों को ऊंचे दामों पर बेचता था।

लखनऊ। यूपी की राजधानी लखनऊ में कोडीन युक्त कफ सिरप और अन्य नशीली दवाओं के अवैध कारोबार का भंडाफोड़ हुआ है। कृष्णानगर इलाके में एफडीए की टीम ने छापेमारी कर दीपक मनवाणी नाम के एक कारोबारी को गिरफ्तार किया है। उसे भारी मात्रा में कोडीन युक्त कफ सिरप और अन्य प्रतिबंधित नशीली दवाओं के साथ रंगे हाथ पकड़ा गया।

जांच में सामने आया कि दीपक मनवाणी बिना बिल के इन दवाओं की खरीद-बिक्री कर रहा था। वह अमीनाबाद मेडिसिन मार्केट से जुड़ा हुआ था और वहां की न्यू मंगलम एजेंसी के मालिक सूरज मिश्रा और एक अन्य केमिस्ट मोंटी सरदार से दवाएं खरीदता था। इसके बाद यह दवाएं नशेड़ियों को ऊंचे दामों पर बेची जाती थीं।

एफडीए की टीम ने सूरज मिश्रा और मोंटी सरदार को लेकर भी जांच शुरू की है। दीपक मनवाणी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। आरोपी लंबे समय से बिना बिल और नियमों के उल्लंघन करते हुए कोडीन युक्त सिरप का अवैध कारोबार चला रहा था।

छापेमारी के दौरान आरोपी के घर और गोदाम से बड़ी मात्रा में कोडीन सिरप, अन्य नशीली दवाएं और बिक्री के लिए तैयार स्टॉक बरामद किया गया।

एफडीए के अधिकारी ने बताया कि इस कार्रवाई का उद्देश्य न केवल अवैध कारोबार को रोकना है, बल्कि आम जनता को नकली और अवैध दवाओं से होने वाले खतरे से भी बचाना है। सभी फार्मासिस्ट और मेडिकल एजेंसीज को नियमों के तहत ही दवाएं बेचने की सख्त चेतावनी दी जाती है।

इस घटना के खुलासे के बाद लखनऊ में नशे और अवैध दवा कारोबार पर पैनी नजर रखने के लिए एफडीए ने लगातार निरीक्षण और छापेमारी की प्रक्रिया तेज कर दी है। अभी अन्य संदिग्धों और नेटवर्क के सदस्यों की पहचान कर गिरफ्तार करने की कार्रवाई जारी है।

बिहार विधानसभा चुनाव

जनसुराज पार्टी की आज जारी होगी दूसरी लिस्ट

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 से पहले, प्रशांत किशोर की जनसुराज पार्टी ने अपना चुनावी अभियान तेज कर दिया है। एनडीए और महागठबंधन के बीच सीट बंटवारे की खींचतान के बीच, जनसुराज अब अपने दूसरे चरण की तैयारी में जुट गई है। 9 अक्टूबर को पार्टी ने 51 उम्मीदवारों की सूची जारी की थी। अब मंगलवार, 3 अक्टूबर को पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर खुद उम्मीदवारों की दूसरी लिस्ट जारी कर सकते हैं। बताया जा रहा है कि इस बार इस सूची में 100 नाम शामिल होने की संभावना है।

पहली लिस्ट 51 नाम किए थे जारी

पहली जनसुराज सूची ने बिहार की राजनीति में हलचल मचा दी थी। इस सूची में 51 उम्मीदवारों के नाम शामिल हैं, जिनमें कपूरी ठाकुर की पोती केसी सिन्हा, भोजपुरी अभिनेता रितेश पांडे, प्रीति किन्नर और आरसीपी सिंह की बेटी जैसे प्रमुख नाम शामिल हैं। इस सूची में किसी भी कद्दावर या स्थापित राजनीतिक हस्ती का नाम नहीं है।

तेजस्वी के गढ़ राघोपुर से शुरू किया प्रचार

प्रशांत किशोर ने शनिवार (11 अक्टूबर) को तेजस्वी यादव के गढ़ राघोपुर में अपने चुनाव अभियान की शुरूआत की। उन्होंने रुस्तमपुर चौक, कबीर चौक, पहाड़पुर और प्रखंड कार्यालय क्षेत्रों का दौरा किया और लोगों से सीधा संवाद किया। स्थानीय लोगों ने क्षेत्र की समस्याओं, खासकर गंगा दियारा क्षेत्र में साल भर रहने वाले जलभराव और बाढ़ के बारे में खुलकर बात की। लोगों ने शिकायत की कि 'यहाँ के विधायक तेजस्वी यादव कभी उनकी समस्याएं सुनने नहीं आते।'

जनता तय करेगी उम्मीदवार - प्रशांत

प्रचार के दौरान प्रशांत किशोर ने मीडिया से कहा, 'हमारी पार्टी में एक ही नियम लागू है। अगर जनता चाहेगी तभी आप उम्मीदवार बनेंगे। जनता नहीं तो टिकट नहीं।

इसलिए हम राघोपुर आए हैं यह देखने कि यहां की जनता किसे देखना चाहती है।' उन्होंने कहा कि पार्टी की मीटिंग में अगले दो दिनों में तय किया जाएगा कि राघोपुर से कौन प्रत्याशी होगा।

13 अक्टूबर को जारी होगी दूसरी लिस्ट

जनसुराज ने आधिकारिक घोषणा की है कि 13 अक्टूबर को दूसरी लिस्ट जारी हो सकती है, जिसमें लगभग 100 उम्मीदवारों के नाम शामिल होने की संभावना है। इस बार पार्टी उन इलाकों पर फोकस करेगी जहां जनता के बीच संगठन मजबूत हुआ है और जमीनी काम दिखा है। प्रशांत किशोर ने कहा था कि 'हमारे उम्मीदवारों में एक भी बाहुबली या धनबली नहीं मिलेगा। इसमें सिर्फ वही लोग होंगे जो बिहार को सुधारने की ईमानदार कोशिश कर रहे हैं।'

दुगार्पुर गैंग रेप केस मामले में बंगाल पुलिस का एक्शन, 3 आरोपी गिरफ्तार

दुगार्पुर: पश्चिम बंगाल के दुगार्पुर में हुए गैंगरेप मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए बंगाल पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। फिलहाल तीनों से पूछताछ जारी है और पुलिस अन्य संभावित आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है। बता दें कि पश्चिम बंगाल के पश्चिम बर्धमान जिले के दुगार्पुर में एक निजी मेडिकल कॉलेज की द्वितीय वर्ष की छात्रा के साथ गैंगरेप की घटना हुई थी। पीड़िता मूलरूप से ओडिशा की रहने वाली है। इस घटना पर पश्चिम बंगाल की पुलिस ने प्रतिक्रिया दी है।

पुलिस ने की थी ये पोस्ट

इससे पहले पश्चिम बंगाल की पुलिस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर आसनसोल दुगार्पुर पुलिस के पोस्ट को रिपोस्ट करते हुए कहा था कि दुगार्पुर में कॉलेज परिसर के बाहर शुक्रवार देर रात एक निजी मेडिकल कॉलेज की छात्रा पर हुए यौन उत्पीड़न से हम बेहद दुखी हैं और सभी को आश्वस्त करना चाहते हैं कि दोषियों को सजा जरूर मिलेगी। बंगाल पुलिस ने कहा कि पीड़िता का दर्द जितना ओडिशा का है, उतना ही हमारा भी है और हम अपराधियों को न्याय के कटघरे में लाने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। पीड़िता की हालत में सुधार हो रहा है और परिवार को हर संभव सहायता प्रदान की जा रही है। हम सभी से इस संबंध में कोई भी असत्यापित जानकारी साझा करने से बचने का आग्रह करते हैं। पश्चिम बंगाल पुलिस महिलाओं के विरुद्ध अपराधों के संबंध में अपनी जीरो टॉलरेंस नीति पर कायम है।

विपक्ष ने ममता सरकार पर बोला था हमला : इस घटना पर पश्चिम बंगाल के विरोधी दल नेता शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि बंगाल में नारी का सम्मान सुरक्षित नहीं है। दुगार्पुर की घटना दोपहर के बाद सभी मीडिया में आ गई है।

जलपाईगुड़ी के जिला राजगंज में एक राजवंशी परिवार की क्लास 7वीं में पढ़ने वाली 13 साल की लड़की के साथ रेप हुआ। इस मामले में पुलिस ने आरोपी दालिम मोहम्मद (61) को गिरफ्तार किया। उन्होंने कहा कि ये दो घटनाएं क्यों घटीं। एक एमबीबीएस की छात्रा है तो दूसरी स्कूल की। सीएम ममता बनर्जी विशेष कौम को बढ़ावा दे रही है। सरकार रेपिस्ट को बचा रही है।

सीएम सैनी के गले की फांस बना आईपीएस आत्महत्या प्रकरण, कार्रवाई से कतरा रही सरकार

चंडीगढ़। वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी वाई पूरण कुमार की आत्महत्या का मामला मुख्यमंत्री नायब सैनी व उनकी सरकार के गले की फांस बन गया है। दिवंगत अफसर के परिवार को पोस्टमार्टम के लिए मनाने के मुख्यमंत्री, उनके कैबिनेट के मंत्रियों व सीनियर अफसरों के प्रयास सिरे नहीं चढ़ रहे क्योंकि परिवार डीजीपी शत्रुजीत कपूर व रोहतक के एसपी के खिलाफ ठोस कार्रवाई की मांग कर रहा है। हालांकि पांच दिन के बाद जाकर रोहतक के एसपी को हटा तो दिया गया लेकिन डीजीपी पर कार्रवाई से सैनी सरकार कतरा रही है।

यही वजह है कि परिवार, दलित संगठनों की नाराजगी बढ़ती जा रही है। सूत्रों के मुताबिक शनिवार को तीन घंटे से ज्यादा दिवंगत आईपीएस की पत्नी व परिवार को मनाने की कोशिश करते रहे दो मंत्रियों ने उन्हें यह संकेत दिया कि डीजीपी को छुट्टी पर भेजा जा सकता है लेकिन परिवार ठोस कार्रवाई चाहता है।

सरकार चाह कुछ रही थी, हो कुछ और गया : सरकार को उम्मीद थी कि एसपी को हटाने से परिवार पोस्टमार्टम के लिए मान जाएगा लेकिन ऐसा न होने से सरकार की मुश्किल बढ़ती जा रही है। इस सबने सरकार की व्यवस्था भी गड़बड़ा दी है। सरकार चाह कुछ रही थी लेकिन हो कुछ और गया।

रद्द करनी पड़ी प्रेस ब्रीफिंग : बताते हैं कि नायब सैनी अपनी व अफसरों की जापान यात्रा को सफल बताते हुए इसका प्रचार करना चाहते थे। इसके लिए यात्रा से लौटते ही प्रेस ब्रीफिंग रखी गई थी लेकिन इधर यह आत्महत्या प्रकरण हो गया और प्रेस ब्रीफिंग रद्द करनी पड़ी।

सीएम सैनी ने 9 अक्तूबर की सुबह एयरपोर्ट पहुंचने पर सीआईडी प्रमुख एडीजीपी सौरभ सिंह से मामले की विस्तार से जानकारी ली। इसके बाद सीएम एडीजीपी पूरन की पत्नी आईएएस अमनीत पी कुमार को सांत्वना और आश्वासन देने उनके सरकारी आवास पहुंचे, लेकिन उसके बाद भी पांच दिन से मुद्दा बरकरार है।

सरकार की सालगिरह के जश्न पर सोनीपत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रैली रखी गई है।

'आरएसएस को स्कूल-कॉलेज और पार्क में कार्यक्रम की न दी जाए अनुमति', प्रियांक खरगे का सरकार को पत्र

बेंगलुरु। कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खरगे ने मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को एक पत्र लिखा है। इस पत्र में उन्होंने आग्रह किया है कि सरकारी स्कूलों और कॉलेजों के मैदानों में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के कार्यक्रम आयोजित करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। उन्होंने यह भी अपील की है कि सार्वजनिक पार्कों और मुजराई (धार्मिक ट्रस्ट द्वारा संचालित) मंदिरों में भी आरएसएस के कार्यक्रमों को अनुमति न दी जाए।

चार अक्तूबर कोलिखे इस पत्र में प्रियांकखरगे ने आरोप लगाया कि आरएसएस सरकारी और सरकारी सहायता प्राप्तस्कूलों के साथ-स्था सार्वजनिक पार्कों में अपनी शाखाएं चला रहा है, जहां नारे लगाए जाते हैं और बच्चों व युवाओं के मन में नकारात्मक विचार भरे जाते हैं। मुख्यमंत्री कार्यालय ने यह पत्र रविवार को मीडिया के साथ साझा किया।

कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे के बेटे प्रियांक ने कहा कि आरएसएस की विचारधारा भारत की एकता और धर्मनिरपेक्षता के मूल्यों के खिलाफ है। मंत्री ने लिखा, जब समाज में नफरत फैलाने वाली विभाजनकारी ताकतें सिर उठाती हैं, तो हमारा संविधान, जो ईमानदारी, समानता और एकता के सिद्धांतों पर आधारित है, ऐसी ताकतों को रोकने और देश के धर्मनिरपेक्ष मूल्यों की रक्षा करने का अधिकार देता है।

उन्होंने आगे आरोप लगाया कि अनुमति के बिना लाठी लेकर आक्रामक प्रदर्शन किए जा रहे हैं, जो बच्चों और युवाओं पर मानसिक रूप से बुरा असर डालते हैं। उन्होंने सरकार से से सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए कहा, देश के बच्चों, युवाओं,जनता और पूरे समाज के हित में मैं विनम्र आग्रह करता हूं कि आरएसएस की ओर से किए जाने वाले सभी कार्यक्रमों, चाहे वह शाखा या बैठक के नाम पर हों, पर प्रतिबंध लगाया जाए।

उन्होंने यह भी कहा कि यह प्रतिबंध सरकारी स्कूलों, सरकारी सहायता प्राप्त स्कूलों, सार्वजनिक खेल के मैदानों, पार्कों, मुजराई विभाग के मंदिरों, पुरातत्व विभाग की देखरेख वाली जगहों और अन्य सभी सरकारी परिसरों पर लागू होना चाहिए।

लखनऊ से अयोध्या के लिए शुरू हुई डबल डेकर बस सुविधा

अयोध्या। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार की मंशा के अनुरूप अयोध्या को डबल डेकर बस की सौगात मिल गई है। अब लखनऊ से अयोध्या नियमित रूप से इसका संचालन शुरू हो गया है। लखनऊ से चलकर डबल डेकर बस अयोध्या पहुंची, सबसे पहले डबल डेकर बस के चालक और परिचालक ने रामलला और हनुमंत लला का दर्शन पूजन कर आशीर्वाद लिया।

परिचालक अनिल यादव ने बताया कि यह बस पूरी तरह से वातानुकूलित है। गर्मी में शीतल हवा और ठंडी में गर्म हवा मिलेगी। इसमें 64 यात्री सवार हो सकते हैं। लखनऊ से अयोध्या तक इसका किराया 243 रुपए है। सुविधाओं की बात करें तो बस में डीलक्स सीटें लगी हुई हैं। पूरी तरह से ये बस ऑटोमेटिक है। जब तक बस का गेट बंद नहीं होगा तब तक बस स्टार्ट नहीं होगी।

दरअसल परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने अयोध्या पहुंचकर बयान दिया था कि नवरात्र में डबल डेकर बस जो कि लंदन की बनी हुई है और इसकी कीमत तीन करोड़ रुपये है वह संचालित हो जाएगी। नवरात्र में बस का ट्रायल हो गया था और अब नियमित रूप से इसका संचालन भी शुरू हो गया है।

जीएसटी दर कम होने से बिक्री में आया उछाल

धनतेरस-दीपावली से पहले चमका इलेक्ट्रॉनिक बाजार

अलीगढ़। दीपावली और धनतेरस के शुभ अवसर पर इस वर्ष अलीगढ़ का इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का बाजार चमका है। विशेष रूप से एलईडी टीवी और एयर कंडीशनर (एसी) की खरीद में भारी उछाल देखा गया है। जीएसटी दर कम होने से बिक्री में उछाल आया है। धनतेरस पर 175 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार होने का अनुमान है, जोकि पिछले वर्षों के मुकाबले 20 फीसदी अधिक है। राज्य वस्तु एवं सेवा कर विभाग (जीएसटी) के मुताबिक एसी और एलईडी की टैक्स स्लैब 28 से घटकर 18 फीसदी हुई है। विभाग का राजस्व कम होगा लेकिन इसी के चलते कीमतें कम होने के कारण कारोबार उछाल लेगा।

जीएसटी की दरें कम होने का सबसे ज्यादा फायदा एसी और टीवी की बिक्री को मिला है। आमतौर पर ग्राहक दीपावली के मौके पर एसी नहीं खरीदते थे, लेकिन इस बार रुझान बदल गया है। ग्राहक इस आशंका के चलते एसी खरीद रहे हैं कि अगले वर्ष इन पर दाम बढ़ सकते हैं।

-अंकित गुप्ता, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण कारोबारी

इस समय लोग गीजर, मिक्सी, प्रेस, इंडक्शन, जूसर, इंस्टेंट गीजर, किचन चिमनी, हैवी ड्यूटी एग्जास्ट के साथ वॉल लाइट, फैंसी लाइट की भी अच्छी मांग है। लोग आ रहे हैं। ऐसे प्रोडक्ट मांग रहे हैं जिनमें ऊर्जा की खपत कम रहती है। त्योहार एक मौका है उपकरण खरीदने का तो मांग भी बढ़ी है।

- अनुज मल्होत्रा, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण कारोबारी

इस त्योहारी सीजन में स्मार्ट फोन का बाजार भी काफी तेज रहा। विभिन्न कंपनियों द्वारा पेश किए गए नए मॉडल और आकर्षक ऑफर्स ने ग्राहकों को आकर्षित किया, जिससे सभी प्रमुख आउटलेट पर कुल मिलाकर स्मार्टफोन की बिक्री धनतेरस तक 15 हजार फोन तक पहुंच सकती है।

- ओपेश अग्रवाल, मोबाइल कारोबारी

उपभोक्ता कहते हैं

जीएसटी की दरों में कमी ने इस त्योहारी सीजन को इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के लिए एक रिकॉर्ड-ब्रेकिंग सीजन बना दिया है। इसी लिए टीवी खरीदना तय किया है।

- कविता मित्तल, बेगम बाग

एसी की दरें भी 10 फीसदी तक कम हुई हैं। अगले सीजन तक यह दरें कायम रहेंगी, कहा नहीं जा सकता है। इसीलिए अभी से खरीद रहे हैं। इंस्टाल सीजन में करा लेंगे।

- नीलम वार्ष्णेय , सराय हकीम

दिल्ली हाफ मैराथन 2025: 40 हजार से अधिक प्रतिभागियों के साथ दौड़ी राजधानी

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री मनसुख मंडाविया ने वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन 2025 के 20वें संस्करण को हरी झंडी दिखाई। इस दौरान दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना, सीडीएस जनरल अनिल चौहान, नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी भी मौजूद रहे।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और दिल्ली सरकार में मंत्री आशीष सूद ने वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन 2025 कार्यक्रम के प्रतिभागियों को सम्मानित किया।

इस दौरान दिल्ली के उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना ने कहा कि वेदांता दिल्ली हाफ मैराथन, जो 2005 में शुरू हुई थी, अब 20 वर्ष पूरे कर चुकी है। लोगों में इसका बहुत उत्साह है, मैं तीसरी बार इसमें भाग ले रहा हूं। यहां का माहौल वाकई बहुत सुंदर है। इसमें 40,000 से अधिक लोग भाग ले रहे हैं, जिनमें 10,000 से ज्यादा महिलाएं शामिल हैं। यह एक बेहद सकारात्मक पहलू है। यह इस बात का संदेश देता है कि प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए ह्यफिट इंडियाह्न आह्वान के कारण आज लोग खेलों में अधिक से अधिक भाग लेना और फिट रहना चाहते हैं।

'सांसद पर हमला लोकतंत्र के खिलाफ सीधी कार्रवाई', शशि थरूर

तिरुवनंतपुरम। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने केरल के वडाकरा से कांग्रेस सांसद शफी परमबिल पर एक विरोध प्रदर्शन के दौरान हुए कथित हमले की कड़ी निंदा की है, उन्होंने कांग्रेस सांसद पर हमले को अस्वीकार्य बताया और कहा कि सांसद पर हमला लोकतांत्रिक मूल्यों पर हमला है। थरूर ने कहा कि लोकतंत्र में विपक्षी सांसदों को बिना किसी डर और बिना किसी कानूनी कार्यवाही की चिंता के विरोध प्रदर्शन करने की इजाजत होनी चाहिए।

थरूर ने कांग्रेस सांसद पर हमले की निंदा की : सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में शशि थरूर ने लिखा कि 'सांसद शफी परमबिल पर एक विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस का हमला पूरी तरह से अस्वीकार्य है। एक लोकतंत्र में सांसदों को खासकर जो विपक्ष में हैं, बिना किसी डर के विरोध प्रदर्शन करने की इजाजत होनी चाहिए। ऐसी कार्रवाई लोकतांत्रिक मूल्यों और कानूनी सुरक्षा का उल्लंघन करती हैं। इस मामले में सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। जब सांसदों को विरोध प्रदर्शन करने के लिए निशाना बनाया जाता है यह लोकतांत्रिक जवाबदेही को कमजोर करता है। पुलिस की एक सांसद के खिलाफ निर्ममता न सिर्फ गलत है बल्कि यह लोकतंत्र पर सीधा हमला है।'

थरूर ने ये भी कहा कि कांग्रेस पार्टी इस मामले को संसद की विशेषाधिकार समिति के सामने रखेगी। उन्होंने कहा कि 'भारत एक संसदीय लोकतंत्र है, जहां सांसद कानून से ऊपर नहीं हैं, लेकिन उन्हें कानून में कुछ छूट मिली हुई है।

दैनिक
करंट क्राइम
सिर्फ सच...
www.currentcrime.com
03 • नई दिल्ली। सोमवार 13 अक्टूबर -2025 दिल्ली व गाजियाबाद से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 2027 : गाजियाबाद में बसपा की राहें आसान नहीं !

भले ही लखनऊ की सफल रैली का कितना ही मनाया जाये जश्न

गाज़ियाबाद, करंट क्राइम। साल 2012 में बहुजन समाज पार्टी ने गाज़ियाबाद जनपद की राजनीति में ऐतिहासिक सफलता दर्ज की थीलोनी, मुरादनगर, मोदीनगर, साहिबाबाद और गाज़ियाबाद शहर इन पाँचों विधानसभा सीटों पर बसपा प्रत्याशियों ने जीत दर्ज की थी।दलित, पिछड़ा और अल्पसंख्यक मतदाताओं के समर्थन ने बसपा को उस दौर में पश्चिमी उत्तर प्रदेश की निर्णायक ताकत बना दिया था।मगर इसके बाद का दशक बसपा के लिए कठिन साबित हुआ।2017 और 2022 के विधानसभा चुनावों में गाज़ियाबाद की सभी सीटें भाजपा के कब्जे में चली गईं।

साहिबाबाद सीट, जहाँ 2012 में बसपा के अमरपाल शर्मा विजयी रहे थे, अब लगातार दो चुनावों से भाजपा विधायक सुनील शर्मा के पास है। गाज़ियाबाद शहर सीट पर भाजपा के अतुल गर्ग ने 2017 और 2022 में

जीत दर्ज कर पार्टी का दबदबा कायम रखा है। मुरादनगर सीट, जो 2012 में बसपा नेता राजपाल त्यागी के पास थी,अब उनके सुपुत्र अजीत पाल त्यागी के नेतृत्व में भाजपा के मजबूत गढ़ के रूप में उभर चुकी है।

पूर्व मंत्री राजपाल त्यागी का निधन इस वर्ष हो गया। उनके पुत्र अजीत पाल त्यागी ने उनकी सामाजिक और स्थानीय पकड़ को अपनी राजनीति में शामिल किया यही कारण है कि अजीत पाल त्यागी लगातार दो कार्यकाल से मुरादनगर से विधायक हैं। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, यह बदलाव बताता है कि जहाँ बसपा का ढांचा ढह गया, वहीं भाजपा ने उसी जमीन पर नई पीढ़ी का नेतृत्व खड़ा कर दिया।

बसपा संगठन का कमजोर होता ढांचा

करंट क्राइम। 2012 की जीत के बाद बसपा के कई विधायक या तो पार्टी से अलग हो गए या निष्क्रिय हो गए सुरेशबंसल (गाज़ियाबाद) (स्वर्गीय), अमरपाल शर्मा (साहिबाबाद) (अब सपा में है), जाकिर अली (लोनी) (अब सपा में है) और सुधेश शर्मा (मोदीनगर) (अब भाजपा में है) हैं। अपनी राजनीतिक जमीन को फिर से तलाश रहे है।इसी का नतीजा रहा कि 2022 में साहिबाबाद सीट पर बसपा उम्मीदवार को केवल 5.01 प्रतिशत वोट मिले,जबकि भाजपा प्रत्याशी को दो-तिहाई से अधिक समर्थन मिला।

लखनऊ रैली से उम्मीद, पर जमीनी पकड़ कमजोर

हाल ही में लखनऊ में मायावती की रैली ने जरूर चर्चा बटोरी और कार्यकताओं में ऊर्जा जगाई,मगर गाज़ियाबाद जैसे शहरी क्षेत्रों में यह ऊर्जा वोटों में तब्दील होती दिखाई नहीं देती।रैली से उत्साह तो आता है, पर बसपा की असली परीक्षा स्थानीय संगठन और बूथ स्तर की सक्रियता में होगी।राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि अब बसपा को पारंपरिक वर्गीय राजनीति से आगे बढ़कर युवाओं, व्यापारिक तबकों और शहरी मतदाताओं के बीच सीधा संवाद बनाना होगा।

भविष्य की राह मुश्किल

करंट क्राइम। गाज़ियाबाद में बसपा अब भी एक पहचान रखती है,पर उसकी सियासी ताकत अब 2012 जैसी नहीं रही। संगठन के पुनर्गठन, नए नेतृत्व की तलाश और जनता से सीधे जुड़ाव के बिना वापसी मुश्किल मानी जा रही है। विशेषज्ञों के मुताबिक, अगर पार्टी को दोबारा अपने पुराने जनाधार तक पहुँचना है,तो उसे 'रैली की भीड़' को 'मतदान की पंक्ति' तक लाने की रणनीति बनानी होगी।

निष्कर्ष

करंट क्राइम। 2012 का गाज़ियाबाद बसपा की सफलता की मिसाल था,2025 का गाज़ियाबाद उसकी सबसे कठिन परीक्षा बन चुका है। भाजपा ने जहाँ संगठन को विरासत बना लिया,वहीं बसपा के लिए अब विरासत बचाना ही सबसे बड़ी चुनौती है। कभी नीला परचम यहाँ की सियासत का प्रतीक था,आज वही झंडा चुनौती, धैर्य और पुनर्निर्माण की कसौटी पर खड़ा है।

शहर विधायक संजीव शर्मा ने बताया कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा को बड़ा भाई

फिर की उनकी बहुत सारी बढ़ाई और करते हुए तारीफ बोले अजीत पाल त्यागी जुझारू विधायक

गाजियाबाद करंट क्राइम। राजनीति में तारीफ के मायने भी निकालने वाले निकाल लेते है। राजनीति में कौन किसकी तरीफ कब कर रहा है ये बड़ा महत्वपूर्ण होता है। तारीफ की एक टाईमिंग होती है और तारीफ का एक अंदाज होता है।

शहर विधायक संजीव शर्मा इन दिनों फ्रंटफुट पर खेल रहे है। बहुत सी जुबान पर उनके लिए तरीफ होती है और इसमें कोई दोराय नहीं है कि वो टीआरपी के सबसे बड़े लीडर बनकर सामने आये है। उनकी तारीफ होती है लेकिन वो किसकी तरीफ करते है ये अहम बात है। संजीव शर्मा विधायक बनने के बाद लगातार क्षेत्र में विकास करा रहे है। बताया जाता है कि उनके प्रयासों से 100 करोड़ के काम विधानसभा में हो रहे है। ये सब काम अपने आप नहीं हो रहे है।

इनके पीछे विधायक संजीव शर्मा के सतत प्रयास है। शहर विधायक संजीव शर्मा दैनिक करंट क्राइम मुख्यालय आये। अब यहां उनसे बात तो कई मुद्दों पर हुई और भविष्य की राजनीति और योजनाओं को लेकर बात हुई। शहर सीट पर दावेदारी को लेकर उन्होंने कहा कि यहां की जनता ने इतना प्यार दिया है।इसलिए मैं अपनी इसी कर्मभूमि पर जनता का प्रतिनिधित्व करूंगा और मेरी दावेदारी यहीं से रहेगी।

जनता का प्यार, कार्यकताओं का प्यार मेरे लिए सबसे बड़ा उपहार है। इसके बाद बात जब ब्राहम्ण समीकरण और उनकी ओल्ड कर्मभूमि साहिबाबाद की चली तो जाहिराना तौर पर साहिबाबाद विधायक और कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा का जिक्र आया। यहां पर शहर विधायक संजीव शर्मा ने बिना एक मिनट गंवाये उनकी जमकर तारीफ करते हुए उन्हें अपना बड़ा भाई बताया। उन्होंने कहा कि सुनील शर्मा मेरे बड़े भाई है और राजनीति में उनसे बहुत कुछ सीखने को मिलता है। उन्होंने कहा कि सुनील शर्मा एक ऐसे नेता हैं जिन्हें संगठन से लेकर सरकार तक पूरी समझ है। उनकी कार्यशैली सबसे अलग है और वो समाज का गौरव है। अपने क्षेत्र में उन्होंने कई कार्य कराये है। वो मुद्दों को लेकर संवेदनशील रहते हैं और उनसे बहुत कुछ मैं सीखता हूं। यहां पर जब वो मुक्त कंठ से साहिबाबाद विधायक और कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा की तारीफ कर रहे थे तो इस क्रम में लोकसभा सांसद अतुल गर्ग का नाम स्किप कर दिया गया।

ऐसा इसलिए किया गया क्योंकि अगर ये नाम उनके सामने आता तो फिर तारीफों का सैलाब ही आता। इसलिए इस सैलाब को रोकते हुए उनके सामने जब करंट क्राइम ने मुरादनगर विधायक अजीत पाल त्यागी के बारे में उनके विचार पूछे तो फिर से शहर विधायक का प्यार उमड़ा। उन्होंने कहा मुरादनगर विधायक अजीत पाल त्यागी सिर्फ एक विधायक नहीं है। वो वास्तव में अपने क्षेत्र के जबरदस्त नेता है। उनका अंदाज जुझारू है। संजीव शर्मा ने कहा कि अजीत पाल त्यागी मेरे सबसे प्रिय मित्र हैं और उनकी जो सबसे बड़ी खूबी है वो ये है कि कार्यकताओं से उनका हमेशा दोस्ताना व्यवहार रहता है। वो यारों के यार हैं और अपना वादा निभाते है। अपने शब्दों की गरिमा का मान रखते है। सामने वाले का सम्मान रखते है और इसमें तो कोई दोराय ही नहीं है कि मुरादनगर देहात क्षेत्र में उनकी सबसे मजबूत पकड़ है। तारीफों की इस नदी को फिर दैनिक करंट क्राइम ने ब्रेक दिलवाया और शहर विधायक संजीव शर्मा ने तारीफों के इसी क्रम के साथ अपनी बात पूरी की।

8 साल बाद गौर होम्स गोविंदपुरम में आरडब्ल्यूए चुनाव

'टीम जागृति' के सभी 10 उम्मीदवार विजयी, अतुल त्यागी की मेहनत लाई रंग

गाज़ियाबाद, करंट क्राइम। गोविंदपुरम स्थित गौर होम्स सोसाइटी में रविवार का दिन इतिहास बन गया। लगभग आठ साल बाद हुए आरडब्ल्यूए चुनाव ने न केवल निवासियों में लोकतंत्र की ऊर्जा वापस लाई,बल्कि यह भी दिखा दिया कि अगर लोगों में बदलाव की चाह हो,तो रुकी हुई व्यवस्था भी दोबारा चल पड़ी है। सुबह से मतदान केंद्र पर भारी भीड़ रही, महिलाएं, वरिष्ठ नागरिक और युवा सभी अपने मत देने पहुंचे।प्रशासन की सख़्त निगरानी और चुनाव अधिकारी की पारदर्शी देखरेख में मतदान शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। शाम को जब मतगणना के नतीजे आए,तो 'टीम जागृति' ने सभी दस सीटों पर जीत दर्ज कर एक नया रिकॉर्ड बना दिया।

कोर्ट के आदेश और प्रशासन की निगरानी में निष्पक्ष चुनाव

करंट क्राइम। सोसाइटी के चुनाव को लेकर कोर्ट के आदेश के बाद यह साफ कर दिया गया था कि गौर होम्स मेंसभी दस पदों पर मतदान होगा।प्रशासन ने पूरी प्रक्रिया पर कड़ी निगरानी रखी और चुनाव अधिकारी ने इसे निष्पक्ष,शांतिपूर्ण और पारदर्शी तरीके से पूरा कराया।निवासियों ने कहा कि इस बार चुनाव पूरी तरह 'पारदर्शिता और भागीदारी का उदाहरण' रहा।

टीम संकल्प और टीम सद्भावना की रणनीति नाकाम

करंट क्राइम। चुनाव में टीम संकल्प और टीम सद्भावना नामक दो पैनल भी मैदान में थे। जानकारों का कहना है कि इन टीमों के कुछ उम्मीदवारों को उतारने का उद्देश्य टीम जागृति के वोटों को विभाजित करना था।लेकिन मतदाताओं ने एकजुटता से टीम जागृति का साथ दिया और पूरी टीम को निर्णायक जीत दिलाई।

सोसाइटी में जश्न और उल्लास का माहौल

करंट क्राइम। परिणाम घोषित होते ही गौर होम्स में जश्न का माहौल छा गया।निवासियों ने विजेताओं को फूलमालाएं पहनाईं, मिठाइयाँ बाँटीं और एक-दूसरे को बधाई दी। वरिष्ठ नागरिकों ने कहा 'आठ साल बाद सोसाइटी में लोकतंत्र लौटा है, अब विकास की शुरूआत होगी।'

'टीम जागृति' की एकतरफा जीत

करंट क्राइम। अतुल त्यागी के नेतृत्व में उतरी 'टीम जागृति' ने सभी पदों पर शानदार प्रदर्शन करते हुए घनश्याम सिंह कम्बोज, कृष्ण बिष्ट, ललित कुमार, मनेन्द्र कुमार, प्रियंका चौधरी, राजेश सिंह, संजय गोयल, शांति सिंह और शिवम पांडेय को विजयी बनाया।सभी सीटों पर भारी अंतर से जीत दर्ज की गई।मतदान के दौरान निवासियों ने एकजुट होकर 'विकास, पारदर्शिता और जवाबदेही' के पक्ष में वोट दिया। अतुल त्यागी बोले — यह 8 साल की मेहनत और जागरूकता की जीत है विजय के बाद उत्साहित अतुल त्यागी ने कहा। यह जीत किसी व्यक्ति की नहीं, बल्कि गौर होम्स के हर निवासी की है। आठ साल से रुके विकास कार्य अब फिर से शुरू होंगे। हमारी टीम का नाम 'जागृति' है, और अब यही जागरूकता सोसाइटी में काम के रूप में दिखेगी। त्यागी ने प्रशासन और चुनाव अधिकारी का धन्यवाद करते हुए कहा कि— उन्होंने पूरे चुनाव को गरिमा, ईमानदारी और व्यवस्था के साथ संपन्न कराया।

नगर आयुक्त ने पुलिस कमिश्नर ऑफिस के बाहर देखा कूड़ा, मौके पर लगाई फटकार

गाजियाबाद, करंट क्राइम : त्योहारों से पहले शहर को स्वच्छ और आकर्षक बनाने के लिए नगर निगम गाजियाबाद का अभियान अब पूरे जोर पर है। इसी क्रम में रविवार को नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने निरीक्षण के दौरान जब पुलिस कमिश्नर ऑफिस की सर्विस रोड पर फैली गंदगी और कूड़े के ढेर देखे, तो उन्होंने मौके पर ही जिम्मेदार सफाई कर्मचारियों को बुलाया और कड़ी फटकार लगाई। सूत्रों के अनुसार, नगर आयुक्त ने नाराजगी जताते हुए साफ कहा कि प्रशासनिक

शेष, पृष्ठ 8

जब झाड़ू से किया डीसीपी और एसीपी ने कूड़े का एनकाउंटर

स्वच्छता का संदेश देने के लिए पुलिस के अधिकारियों ने कार्यालयों में चलाया सफाई अभियान

बीते दो रविवार से चल रहा है अभियान

करंट क्राइम : पुलिस कमिश्नर जे रविंदर गौड के निर्देश पर पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद के के अलग-अलग आईपीएस, पीपीएस अधिकारियों के कार्यालयों से लेकर अलग-अलग थानों और कार्य स्थलों पर स्वच्छता वाला अभियान चलाया जा रहा है। जिसका मकसद गंदगी हटाकर सफाई को बढ़ावा देना बताया जा रहा है।

गाजियाबाद, करंट क्राइम : अकसर पुलिस के अधिकारियों, थाना प्रभारियों से लेकर अईपीएस व पीपीएस के हाथों में बंदूक और हथियार होते हैं, पर रविवार को पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में सीन अला ही था। दरअसल दो अक्टूबर को महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर देशभर में स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। इसका असर पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद में भी दिखाई दे रहा है। रविवार को डीसीपी ट्रांस हिंडन निमिष दशरथ पाटिल, डीसीपी देहात सुरेंद्रनाथ तिवारी, एसीपी नंदग्राम उपासना पांडे, एडीसीपी क्राइम पीयूष सिंह, क्राइम ब्रांच से लेकर पुलिस लाइन स्थित कार्यालय का नजारा दूसरा था। डीसीपी, एसीपी और थाना प्रभारी स्तर के अधिकारी झाड़ू उठाकर कूड़े का एनकाउंटर करने में लगे हुए थे। मकसद सभी का एक ही था कि स्वच्छता का संदेश दिया जाए। गंदगी को अपने आसपास से हटाया जाए। वैसे भी पुलिस कमिश्नर जे रविंदर गौड का कहना है कि जिस तरीके से दीपावली के त्योहार पर हम सभी अपने घरों में सफाई करते हैं, ऐसे ही अपने कार्यालयों में भी स्वच्छता का संदेश देते हुए सफाई करनी है।

जोश के साथ दिखाई दिया स्वच्छता का जज्बा

करंट क्राइम : अकसर आईपीएस अधिकारी और पीपीएस अधिकारी बदमाशों पर गोली चलाते और हाथ में कानून का डंडा उठाए हुए नजर आते हैं लेकिन रविवार को नजारा बदला हुआ था। आईपीएस अधिकारी सुरेंद्रनाथ तिवारी से लेकर एसीपी नंदग्राम उपासना पांडे, एडीसीपी क्राइम पीयूष सिंह ने अपने-अपने कार्यालय में झाड़ू उठाई और साफ-सफाई की। तो उनके स्टाफ ने कहीं कपड़ा लेकर धूल को हटाने का काम किया। तो किसी ने कूड़े को भरकर दूसरे स्थान पर हटाकर स्वच्छता का संदेश दिया। कुल मिलाकर जिसने भी पुलिस अधिकारियों के हाथ में झाड़ू वाला सीन दिखा तो वह कह उठा की पुलिस के अधिकारी कूड़े का एनकाउंटर कर रहे हैं।

संपादकीय

संतोषजनक जवाब नहीं आ सके सामने

बिहार में विधानसभा चुनावों की घोषणा हो चुकी है, लेकिन अब भी मतदाता सूची से जुड़े सवालों के संतोषजनक जवाब सामने नहीं आ सके हैं। यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट को इस संबंध में निर्वाचन आयोग को निर्देश जारी करने की जरूरत पड़ रही है। हालांकि अदालत की ओर से दिए गए निर्देश आयोग के अपने दायित्व में शामिल होने चाहिए थे। हाल ही में निर्वाचन आयोग ने गहन पुनरीक्षण की कवायद के बाद अंतिम मतदाता सूची जारी की थी। अब उसमें बाहर किए गए मतदाताओं की संख्या और उनके अधिकारों को लेकर फिर से सवाल उठे हैं।

सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को हुई सुनवाई के दौरान अदालत ने साफ कहा कि अंतिम मतदाता सूची से जिन तीन लाख छियासठ हजार लोगों के नाम हटाए गए हैं, उन सबको अपील करने का उचित अवसर दिया जाए। अदालत के मुताबिक, प्रभावित लोगों के पास सिर्फ एक पंक्ति का कोई जटिल आदेश नहीं, बल्कि विस्तृत ब्योरा होना चाहिए कि उनके नाम क्यों शामिल नहीं किए गए। चुनाव में अब रह गए हैं बहुत कम दिन देश में बहुत सारे लोगों के लिए सरकारी आदेशों की जटिल भाषा समझना कोई आसान काम नहीं है। सिर्फ इस वजह से कितने लोग अपने वाजिब और कानूनी अधिकारों से वंचित हो जाते हैं, यह शोध का विषय है। ऐसे में जब चुनाव के दिन अब बहुत कम रह गए हैं, निर्वाचन आयोग की ओर से आम लोगों को किसी ऐसी भाषा में आदेश दिया जाता है, जो उनकी स्थिति की सटीक और आसान व्याख्या नहीं करता है या वे उससे संतुष्ट नहीं होते हैं, तो उन्हें समझने के लिए आयोग ने क्या व्यवस्था की है। यों भी, अगर किसी व्यक्ति को यह जानकारी नहीं है कि उसका नाम मतदाता सूची से क्यों हटाया गया, तो इस मसले का हल नहीं निकल सकता। फिर अंतिम सूची से हटाए गए वैसे बहुत सारे लोग हैं, जिनकी आर्थिक स्थिति या फिर जागरूकता का स्तर यह नहीं है कि वे कानूनी सहायता लेकर अपनी मुश्किल को दूर करने की कोशिश करें। शायद इसी को ध्यान में रखते हुए शीर्ष अदालत ने बिहार राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण से अपने जिला स्तरीय निकायों को यह निर्देश जारी करने को कहा कि वे मतदाता सूची से बाहर किए गए सभी मतदाताओं को निर्वाचन आयोग में अपील दायर करने के लिए मुफ्त कानूनी सहायता करें। मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के संदर्भ में विदेशियों के होने का भी उठा था मुद्दा विडंबना यह है कि मतदाता सूची में सिर्फ पात्र और वैध मतदाताओं का नाम बने रहने की जिस कवायद को पूरी तरह विवादरहित होना चाहिए था, वह कई तरह के आरोपों में घिरी दिखती है और एक तरह से यह राजनीतिक मुद्दा बन गई। मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण के संदर्भ में विदेशियों के होने का भी मुद्दा उठा था। अब अंतिम सूची जारी होने के बाद निर्वाचन आयोग से अगर यह पूछा जा रहा है कि कितने विदेशी लोग पाए गए, तो यह अप्रत्याशित नहीं है। इसके अलावा, अब भी एक ही पते पर कई-कई मतदाताओं के नाम दर्ज होने से लेकर गलत मकान नंबर, अस्पष्ट नाम आदि प्रविष्टियों में गंभीर चूक को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

रेयर अर्थ मटेरियल्स पर चीन का प्रतिबंध अमेरिका ने दी आर्थिक प्रतिशोध की धमकी

नई दिल्ली। चीन ने गुरुवार को अपने रेयर अर्थ मैटेरियल्स पर प्रतिबंध बढ़ा दिए। इसके कारण अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने आर्थिक प्रतिशोध की धमकी दी और संकेत दिया कि वह एशिया की आगामी यात्रा के दौरान चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग नहीं मिलेंगे। क्या हैं ये रेयर अर्थ मैटेरियल्स, ये कितने महत्वपूर्ण हैं? आइए जानते हैं क्या आप जानते हैं कि आपके स्मार्टफोन से लेकर लड़ाकू विमान तक- सब में एक चीज कॉमन है? जी हां वह चीज है दुर्लभ मृदा तत्व यानी रेयर अर्थ मैटेरियल्स। ये छोटे-छोटे धात्विक तत्व दुनिया में तकनीक और रक्षा क्षेत्र की रीढ़ बन चुके हैं। अमेरिका की ओर से चीन पर 100% टैरिफ के एलान की जड़ में भी यही चीज है।

फोन से लेकर फाइटर जेट तक के लिए जरूरी चीज पर चीन-अमेरिका आमने-सामने चीन ने गुरुवार को अपने रेयर अर्थ मैटेरियल्स पर प्रतिबंध बढ़ा दिए। इसके कारण अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आर्थिक प्रतिशोध की धमकी दी और संकेत दिया कि वह एशिया की आगामी यात्रा के दौरान चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ बैठक रद्द कर देंगे। अमेरिका ने चीन पर 1 नवंबर से 30% प्रतिशत के वर्तमान टैरिफ के अलावे 100 अतिरिक्त टैरिफ लगाने की भी धमकी दी है। स्मार्टफोन हो या पवन टर्बाइन, एलईडी लाइट और फ्लैट-स्क्रीन टीवी, यहां तक की रोजमर्रा की तकनीकों में भी, रेयर अर्थ मैटेरियल्स हर चीज के लिए जरूरी हैं।

चीन का एकाधिकार अब अमेरिका को हजम नहीं

अमेरिका और चीन रेयर अर्थ मैटेरियल्स पर वर्तमान ट्रंप प्रशासन के पहले से आमने-सामने हैं। चीन ने बीते वर्षों से अपनी व्यापक औद्योगिक नीति के तहत इस तरह के खनिजों पर लगभग पूर्ण नियंत्रण स्थापित कर लिया है। रेयर अर्थ मैटेरियल्स पर चीन के हालिया प्रतिबंधों को अप्रैल में घोषित चीनी वस्तुओं पर ट्रंप की ओर से लगाए गए टैरिफ की प्रतिक्रिया के रूप में भी देखा जा रहा है। जिनेवा में व्यापार युद्धविराम पर सहमति के बाद, अमेरिकी अधिकारियों को उम्मीद थी कि चीन उन खनिजों पर निर्यात प्रतिबंधों में ढील देगा। हालांकि ऐसा नहीं हो सका।

क्या हैं रेयर अर्थ मैटेरियल्स?

दुर्लभ मृदा तत्वों या रेयर अर्थ मैटेरियल्स में स्कैंडियम, यिट्रियम और लैंथेनाइड्स जैसे कुल 17 धात्विक तत्व शामिल होते हैं। हालांकि नाम के अनुसार ये तत्व दुर्लभ हैं, लेकिन सच्चाई ये है कि ये तत्व ये पदार्थ पृथ्वी की पूरी पपड़ी में पाए जाते हैं। ये सोने से भी ज्यादा प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं। तो फिर ये रेयर अर्थ मैटेरियल्स क्यों कहलाते हैं, दिक्कत कहां है? दरअसल इन तत्वों का इनका खनन और प्रसंस्करण बेहद मुश्किल, महंगा और पर्यावरण के लिए नुकसानदायक होता है।

रेयर अर्थ मैटेरियल्स आते कहां से हैं?

अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के अनुसार, खनन से प्राप्त रेयर अर्थ मैटेरियल्स के उत्पादन का 61 प्रतिशत चीन से आता है। इसके अलावे अगर रेयर अर्थ मैटेरियल्स के प्रसंस्करण के चरण को भी को भी जोड़ दें तो चीन का वैश्विक उत्पादन के 92% पर अकेला नियंत्रण है।

सोना-चांदी होंगे और महंगे, बीकेसी के वेबिनार में विशेषज्ञों का अनुमान

नई दिल्ली। सोना-चांदी की कीमतें तेजी के रोज नए रिकॉर्ड बना रही हैं। सोने की यह तेजी टिकाऊ है या बबल, चढ़ते सोने के बीच कैसे करें हेजिंग? इस मुद्दे अमर उजाला द बोनस ने 'गोल्ड एंड ग्रोथ' वेबिनार का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में देश के जाने-माने कमोडिटी विशेषज्ञों ने अपने-अपने विचार रखे। इनमें से ज्यादातर विशेषज्ञों का मानना है कि सोना-चांदी में हाल-फिलहाल गिरावट के आसार नहीं हैं। अभी इनमें तेजी का रुख बरकरार रहेगा।

'गोल्ड एंड ग्रोथः फेस्टिवल फंडा' वेबिनार की शुरूआत द बोनस के संपादक अंशुमान तिवारी के स्वागत भाषण के साथ हुई। आईबीजेए के राष्ट्रीय सचिव सुरेन्द्र मेहता ने मुख्य भाषण में गोल्ड ज्वेलरी खरीदने के टिप्स दिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि हमेशा बीआईएस हॉलमार्क ज्वेलरी ही खरीदें। साथ ही सुनार से पक्का बिल जरूर लें। आने वाले समय में सोना-चांदी का आउटलुक कैसा रहेगा, इस बारे मिरे एसेट शेयरखान के कमोडिटीज एंड करेंसीज रिसर्च हेड प्रवीण सिंह ने डेटा के साथ बहुत ही रोचक जानकारी दी। बाजार के मौजूदा माहौल को देखते हुए उन्होंने कहा कि निकट भविष्य में सोना 6000 और फिर 10,000 डॉलर प्रति औंस तक जा सकता है। इस तेजी के पीछे की उन्होंने प्रमुख वजह गिनाई। फिलहाल ग्लोबल मार्केट में गोल्ड का भाव 4000 डॉलर के स्तर पर है।

कार्यक्रम के दूसरे सत्र में भारत बटुक के डायरेक्टर एवं सीईओ संजय कुमार ने कहा कि निवेश और बचत के लिए गोल्ड बेहतर ऑप्शन है। सेविंग के लिए डिजिटल गोल्ड बेहतर जरिया। भले ही सोने का भाव 1.20 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम के ऊपर है लेकिन आप 100-200 रुपए की छोटी रकम से भी डिजिटल गोल्ड खरीद सकते हैं।

शेयर बाजार में एनआरआई लोगों की सहभागिता बढ़ाने पर जोर

सेबी प्रमुख तुहिन कांत पांडे का बयान

नई दिल्ली। सेबी प्रमुख ने कहा कि एक हालिया राष्ट्रव्यापी सर्वे से पता चला है कि 63 प्रतिशत लोग प्रतिभूति उत्पादों से वाकिफ हैं, लेकिन केवल 9.5 प्रतिशत ही सक्रिय तौर पर इसमें भाग लेते हैं। शहरी इलाकों में थोड़े ज्यादा 15 प्रतिशत लोग शेयर बाजार में सक्रिय हैं। भारत में प्रतिभूति बाजार की नियामक संस्था सेबी के प्रमुख तुहिन कांत पांडे ने कहा है कि भारतीय शेयर बाजार में अनिवासी भारतीयों (एनआरआई) की सहभागिता बढ़ाने के लिए केवाईसी की प्रक्रिया को आसान और सुरक्षित बनाने पर उनका फोकस है। सेबी प्रमुख ने कहा कि देश में अभी भी शेयर बाजार को लेकर जागरुकता की कमी है।

केवाईसी को आसान बनाने पर फोकस

मुंबई में बीएफएफ कैपिटल मार्केट कॉन्फ्लुएंस 2025 को संबोधित करते हुए तुहिन कांत पांडे ने कहा कि सेबी ने केवाईसी की प्रक्रिया को आसान बनाया है, लेकिन अनिवासी भारतीयों के लिए इसे और आसान बनाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि 'निवेशकों को जागरुक करने के लिहाज से हमने लंबा रास्ता तय किया है। हमने केवाईसी प्रक्रिया का आसान बनाया है और प्रक्रिया के पूरा होते ही लेन-देन की भी मंजूरी मिल जाती है, लेकिन अभी हमें इसे अनिवासी भारतीयों के लिए और आसान बनाने की जरूरत है ताकि अनिवासी भारतीयों की शेयर बाजार में सहभागिता को बढ़ाया जाए। यही हमारा फोकस है।'

लोगों में जागरुकता की कमी

सेबी प्रमुख ने कहा कि एक हालिया राष्ट्रव्यापी सर्वे से पता चला है कि 63 प्रतिशत लोग प्रतिभूति उत्पादों से वाकिफ हैं, लेकिन केवल 9.5 प्रतिशत ही सक्रिय तौर पर इसमें भाग लेते हैं। शहरी इलाकों में थोड़े ज्यादा 15 प्रतिशत लोग शेयर बाजार में सक्रिय हैं, वहीं ग्रामीण इलाकों में 6 प्रतिशत लोग ही शेयर बाजार में सक्रिय हैं। सर्वे में पता चला है कि 36 प्रतिशत निवेशक ही शेयर बाजार के बारे में ज्यादा या ठीक-ठाक जानकारी रखते हैं। इससे पता चलता है कि लोगों में जागरुकता की कमी है।

पीएम मोदी ने एंथ्रोपिक के डारियो अमोदेई से की मुलाकात, शीर्ष कंपनियों का बाजार मूल्य बढ़ा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को सुरक्षित एआई सिस्टम बनाने वाली कंपनी एंथ्रोपिक के सीईओ डारियो अमोदेई से मुलाकात की। कंपनी अगले साल बंगलूरू में एक कार्यालय खोलने की भी योजना बना रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने अमोदेई के एक सोशल मीडिया पोस्ट को टैग करते हुए कहा, आपसे मिलकर खुशी हुई। भारत का जीवंत तकनीकी पारिस्थितिकी तंत्र और प्रतिभाशाली युवा मानव-केंद्रित और जिम्मेदार एआई नवाचार को आगे बढ़ा रहे हैं। हम एंथ्रोपिक के विस्तार का स्वागत करते हैं और प्रमुख क्षेत्रों में विकास के लिए एआई के इस्तेमाल पर मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हैं।

इससे पहले, अमोदेई ने अपनी पोस्ट में लिखा कि उन्होंने भारत में एंथ्रोपिक के विस्तार पर चर्चा करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की, जहां जून से इसके उत्पाद क्लाउड कोड के उपयोग में पांच गुना वृद्धि देखी गई है। भारत एक अरब से ज्यादा लोगों के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और कृषि जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में एआई का उपयोग कैसे करता है, यह एआई के भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण होगा।

शीर्ष कंपनियों का बाजार मूल्य बढ़ा, TCS को सबसे अधिक फायदा

पिछले हफ्ते शेयर बाजार में तेजी से शीर्ष 10 में से आठ कंपनियों का मार्केट कैप 1.94 लाख करोड़ रुपये बढ़ गया। सबसे बड़ा लाभ टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) को हुआ, जिसका मूल्य 45,678 करोड़ रुपये बढ़कर 10.95 लाख करोड़ रुपये हो गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, बजाज फाइनेंस और इंफोसिस को भी फायदा हुआ। वहीं, भारतीय जीवन बीमा निगम और हिंदुस्तान यूनिलीवर के मूल्य में गिरावट दर्ज की गई। रिलायंस सबसे ज्यादा मूल्यवान कंपनी बनी रही।

महिला कर्मचारियों की संख्या बढ़ाएगा रइक 2030 तक 30% का लक्ष्य

एसबीआई ने अपनी महिला कर्मचारियों की संख्या 2030 तक 30 प्रतिशत करने का लक्ष्य तय किया है। वर्तमान में बैंक में कुल स्टाफ का 27 प्रतिशत महिलाएं हैं। बैंक महिला कर्मचारियों को नेतृत्व के लिए तैयार करने, काम और परिवार में संतुलन बनाने और सुरक्षित माहौल देने पर जोर दे रहा है। एसबीआई महिलाओं के लिए क्रेच भत्ता, मातृत्व अवकाश के बाद विशेष प्रशिक्षण और स्वास्थ्य जांच जैसी सुविधाएं दे रहा है। देशभर में एसबीआई की 340 से अधिक शाखाएं सिर्फ महिलाओं द्वारा संचालित हैं। बैंक का मानना है कि विविधता से कामकाज में मजबूती और नवाचार बढ़ेगा।

दिल्ली से चीन के ग्वांगझू के लिए इंडिगो की सीधी उड़ान 10 नवंबर से, और बढ़ेंगे व्यापार-पर्यटन के अवसर

नई दिल्ली। भारत और चीन के बी सीधी उड़ानों का फिर शुरू होना भारत-चीन संबंधों में सुधार का संकेत है। ये उड़ानें कोविड-19 महामारी और डोकलाम गतिरोध की वजह से निलंबित कर दी गई थीं।

इंडिगो ने शनिवार को दिल्ली और चीन के ग्वांगझू के बीच रोजाना सीधी उड़ानें 10 नवंबर से शुरू करने का एलान किया है। इस हवाई मार्ग पर उड़ानों का संचालन इंडिगो के एयरबस ए320 विमान से होगा। एयरलाइन ने यह एलान विदेश मंत्रालय (एमईए) के तीन अक्तूबर को भारत और चीन के बीच सीधी उड़ानों को फिर से शुरू करने की पुष्टि के बाद किया है। मंत्रालय ने यह भी कहा था कि सीधी उड़ानों का फिर शुरू होना भारत-चीन संबंधों में सुधार का संकेत है। ये उड़ानें कोविड-19 महामारी और डोकलाम गतिरोध की वजह से निलंबित कर दी गई थीं। चीनी दूतावास के एक प्रवक्ता ने भी दोनों देशों के बीच उड़ानों को फिर से शुरू करने की पुष्टि की। बताते चलें कि कुछ हफ्ते पहले ही इंडिगो ने कोलकाता से ग्वांगझू के बीच 26 अक्तूबर से रोजाना उड़ानें शुरू करने का एलान किया था। भारत से चीन की उड़ानों को लेकर इंडिगो के ग्लोबल सेल्स प्रमुख विनय मल्होत्रा ने कहा, आगे कहा, ग्वांगझू के माध्यम से इंडिगो चीन के विशाल घरेलू और अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क से जुड़ जाएगा। इससे दोनों देशों में व्यापार, निवेश, पर्यटन और शिक्षा के क्षेत्र में नए अवसर और बढ़ेंगे। इसके साथ ही भारत को दुनिया से जोड़ने की हमारी प्रतिबद्धता भी मजबूत होगी।

कोलकाता से हाल ही में फिर से शुरू किए गए रूट के अलावा, दिल्ली और ग्वांगझू के बीच दैनिक सीधी उड़ानों के साथ चीन के साथ अपनी कनेक्टिविटी को बढ़ाकर हमें खुशी हो रही है। दुनिया के दो सबसे अधिक आबादी वाले देशों के बीच परिचालन फिर से शुरू होने से सांस्कृतिक आदान-प्रदान और आर्थिक सहयोग की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने

उड़ान का समय और टिकट उपलब्धता एयरलाइन के मुताबिक, दिल्ली से ग्वांगझू की उड़ान रात 9:45 बजे रवाना होगी और सुबह 4:40 बजे ग्वांगझू पहुंचेगी। वापसी में यह उड़ान सुबह 5:50 बजे ग्वांगझू से उड़ान भरेगी और सुबह 10:10 बजे दिल्ली पहुंचेगी। इस मार्ग की टिकटें इंडिगो की वेबसाइट पर उपलब्ध हैं।

रोचक तथ्यों का करंट

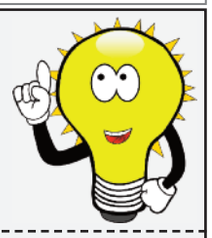

- अंतरिक्ष स्टेशन में सोना काफी चुनौती भरा होता है। अंतरिक्ष यात्री को सोने के लिए काफी मेहनत करनी होती है। उन्हें आंखों पर पट्टी बांध कर एक बंकर में सोना होता है ताकि वह तैरने और इधर-उधर टकराने से बच सके।
- 20 जुलाई, 1969 को अमेरिका के अपोलो 11 मिशन के जरिए चांद पर पहली बार इंसान के कदम पड़े थे। नील आर्मस्ट्रांग ने चांद पर कदम रखते हुए कहा एक छोटा-सा कदम, लेकिन मानवता के लिए एक लंबी छलांग।
- सर आइजैक न्यूटन के सेब के पेड़ का एक नमूना 'गुरुत्वाकर्षण अवहेलना करना' के लिए अंतरिक्ष में भेजा गया था।
- साल 1977 में, हमें 72 सेकंड तक गहरे अंतरिक्ष से एक संकेत मिला। हम अभी भी नहीं जानते हैं कि यह कैसे और कहाँ से आया था।
- पृथ्वी से आसमान नीला दिखाई देता है, लेकिन अंतरिक्ष यात्रियों को यह काला दिखाई देता हैं।
- अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर अंतरिक्ष यात्री लगभग 15 सूर्योदय और 15 सूर्यास्त को हर रोज देखते हैं।

राशिफल

मेष: खर्चों में वृद्धि होगी। मेहमानों के साथ बुरा व्यवहार न करें। ऐसा व्यवहार न केवल आपके परिवार को दुखी कर सकता है, बल्कि रिश्ते में दूरियां भी पैदा कर सकता है।

वृष: आज आप पूरे दिन ऊर्जावान महसूस करेंगे. ऑफिस में कई दिनों से रुका हुआ काम समय पर पूरा करेंगे। इस राशि के छात्रों के लिए आज का दिन बेहतर है।

मिथुन: मित्रों और प्रियजनों के साथ सुखद मुलाकात होगी. यात्रा भी सुखद रहेगी। पढ़ाई में मन नहीं लगेगा। आर्थिक रूप से आप समृद्ध रहेंगे और नए सौदे भी आगे बढ़ेंगे।

कर्क: आज काम का बोझ कुछ तनाव और झुंझलाहट का कारण बन सकता है। चतुर वित्तीय योजनाओं में फंसने से बचें, निवेश में बेहद सावधानी बरतें।

सिंह: आज घर के बड़ों का आशीर्वाद लेकर बाहर जाएं आपके लिए कारगर साबित होगा। ऑफिस में कुछ नई जिम्मेदारियां आपके कंधों पर आ सकती हैं।

कन्या: आज आपके जीवन में किसी खास दोस्त के आने से आपके जीवन की खुशियां दोगुनी हो जाएंगी। आपके जीवन में खुशियां दस्तक देने वाली हैं।

तुला: निवेश से जुड़े अहम फैसले किसी और दिन के लिए छोड़ देने चाहिए। यह जानकर बहुत दुख होगा कि जिस पर विश्वास करते आए हैं, वह विश्वसनीय नहीं है।

वृश्चिक: यात्रा का दिन रहेगा। ऑफिस के किसी काम से बाहर जाना पड़ सकता है, दिन अच्छा बीतेगा। घर में किसी दूर के रिश्तेदार के आने से खुशियों का माहौल बनेगा।

धनु: प्रेमी और प्रेमिका के साथ प्यार भरे पल बिताएंगे। शेयर बाजार में निवेश न करें। आर्थिक लाभ होगा और भौतिक चीजों पर भी खर्च करेंगे। यात्रा लाभदायक रहेगी।

मकर: समस्या से निजात पाने के लिए सकारात्मक सोच का सहारा लें। आत्मविश्वास हासिल नहीं कर सकते। दूसरों को प्रभावित करने के लिए पैसा खर्च न करें।

कुंभ: भाग्य साथ देगा। यदि कोई नया व्यवसाय शुरू करने की सोच रहे हैं तो मुहूर्त देख सकते हैं। धन लाभ के साथ सुख भी प्राप्त होगा। शादीशुदा के लिए दिन अनुकूल है।

मीन: आज आप कोई महत्वपूर्ण योजना भी बना सकते हैं। जीवनसाथी से थोड़ी अनबन के कारण आपकी मानसिक चिंता बढ़ सकती है।

चुटकुले

गोलू - परीक्षा खत्म होते ही जिम ज्वॉइन कर लूंगा।
टोलू - क्यों?
गोलू- रिजल्ट आने तक मार झेलने लायक तो बॉडी बन ही जाएगी।

एक व्यक्ति पहली बार अकेला हेलिकॉप्टर उड़ाना सीख रहा था।
500 फीट की ऊंचाई पर उड़ते -उड़ते अचानक हेलिकॉप्टर नीचे आ गिरा।
ट्रेनर ने पूछा -क्या हुआ ?
बोला- कुछ नहीं , ऊपर जाकर मुझे ठंड लगने लगी, मैंने पंखे बंद कर दिए थे बस।

मालकिन- कितना टाइम हो रहा है?
नौकरानी- मुझे टाइम देखना नहीं आता।
मालकिन- अच्छा कोई बात नहीं, ये देखकर बताओ कि बड़ी सुई कहां है और छोटी सुई कहां है?
नौकरानी- दोनों सुइयां घड़ी के अंदर हैं।

प्रिय पाठकों,
आप भी हमें भेज सकते हैं अपनी लिखी हुई कविता, चुटकुले, विचार, आर्टिकल या शहर से जुड़ी हुई कोई भी समस्या। हम उसे प्रमुखता से प्रकाशित करेंगे।

करंट क्राइम

K-4, A-Block, Govindpuram Commercial Area, Near LG Showroom, Ghaziabad, Mob 09899655497
Email: currentcrimenews@gmail.com
Website: www.currentcrime.com

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व सम्पादक मनोज कुमार ने ए.जी.एस. पब्लिकेशन, एफ-23, सैक्टर-6, नोएडा-201301 (गौतमबुद्धनगर) उत्तर प्रदेश से छपवाकर कार्यालय 'करंट क्राइम' बी-2बी/295, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058 से प्रकाशित किया। R.N.I NO. DELHIN/2015/65364

सम्पादक : मनोज कुमार
समाचार संपादक दीपक भाटी

संरक्षक : राकेश यादव, विवेक भाटी

दैनिक करंट क्राइम

समाचार पत्र में किसी भी तरह के डिस्प्ले एवं वर्गीकृत विज्ञापन (खोया-पाया, संबंध-विच्छेद, कोर्ट नोटिस, जीडीए सूचना, नाम परिवर्तन) आदि के लिए निम्न फोन नंबर एवं पते पर संपर्क करें।

संपर्क : के-2, ए ब्लॉक, कॉमर्शियल मार्केट, गोविन्दपुरम, गाजियाबाद
मो. : 9818606318 (हरीश कुमार)
8630290003 (विष्णु गुप्ता)

13 10 2025 करंट क्राइम

सेलेब्रिटी जन्मदिन

जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं

आज के जन्मदिन

पूजा हेगड़े
अभिनेत्री

अस्मित त्यागी

सृष्टि कनक

अनु चौधरी

रीतू चौहान

मीनाक्षी चावला

प्रद्युमन उपाध्याय

प्रवीण शर्मा

ब्रह्मपाल सिंह

मोहसिन अल्वी

अमित भारद्वाज

दुष्यंत यादव

रोशन गुप्ता

तुषार बंसल

पकंज पाल

अरविन्द त्यागी

डॉ. गंगाशरण शर्मा

सौरभ तोमर

उमेश नाथ पांडेय

महेंद्र सिंह

सूचना : आप भी अपने जन्मदिन को विशेष बना सकते हैं। अपना फोटो नाम के साथ हमें नीचे लिखे ईमेल पर भेजें। हम उसे दैनिक करंट क्राइम में स्थान देंगे।
Email : currentcrimenews@gmail.com

स्मृति मंधाना ने पूरे किए 5000 वनडे रन

दुनिया की पांचवीं और दूसरी भारतीय महिला

नई दिल्ली। भारतीय महिला टीम की उपकप्तान और स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना रविवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ धमाकेदार प्रदर्शन किया। उन्होंने 80 रनों की शानदार पारी खेलकर रिकॉर्ड्स की झड़ी लगा दी। बाएं हाथ की बल्लेबाज ने वनडे में 5000 रन पूरे कर लिए और दुनिया में पांचवीं व भारत के लिए ऐसा करने वाली दूसरी बल्लेबाज बन गईं। बता दें कि, भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच महिला विश्व कप का 13वां मुकाबला विशाखापत्तनम में खेला जा रहा है। इस मैच में ऑस्ट्रेलिया की कप्तान एलिसा हीली ने टॉस जीतकर मेजबानों को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया है।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लगातार पांचवीं बार 50+ रन की पारी खेलने वाली पहली महिला

29 वर्षीय मंधाना वनडे में पांच हजार रन बनाने वाली सबसे युवा महिला बल्लेबाज हैं। उन्होंने 112वीं पारी की 5569वीं गेंद पर यह कारनामा किया। उनसे पहले वेस्टइंडीज की स्टेफनी टेलर ने 129 पारी और न्यूजीलैंड की सूजी बैट्स ने 6182 गेंद पर 5000 वनडे रन पूरे किए थे। मंधाना इस मैच में 66 गेंदों में नौ चौके और तीन छक्के की मदद से 80 रन बनाकर आउट हुईं। यह मंधाना की ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ लगातार पांचवीं अर्धशतकीय पारी थी। वह इस टीम के खिलाफ वनडे में 50 से ज्यादा रनों की पारी खेलने वाली पहली महिला बल्लेबाज बन गईं। इससे पहले उन्होंने 125 (63), 117 (91), 58 (63) और 105 (109) रन बनाए थे।

मंधाना ने हासिल की कई उपलब्धियां

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मुकाबले में प्रतिका रावल और स्मृति मंधाना ने भारत को दमदार शुरूआत दिलाई। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 155 रनों की साझेदारी हुई। इस दौरान मंधाना ने 46 और प्रतिका ने 69 गेंदों में अर्धशतक पूरे किए। मंधाना ने अपने 33वें वनडे अर्धशतक के साथ तमाम उपलब्धियां हासिल कर लीं। वह सबसे पहले एक कैलेंडर वर्ष में 1000 रन पूरे करने वाली पहली महिला बल्लेबाज बनीं। इसके बाद उन्होंने वनडे में 5000 रन भी पूरे कर लिए। ऐसा करने वाली वह दुनिया की पांचवीं और भारत की दूसरी महिला क्रिकेटर बन गईं। इससे पहले पूर्व भारतीय कप्तान मिताली राज ने वनडे क्रिकेट में 5000 रन बनाए थे।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की बल्लेबाज स्मृति मंधाना और प्रतिका रावल ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे मुकाबले में बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए एक नया इतिहास रच दिया है। दोनों खिलाड़ियों ने विशाखापत्तनम में खेले गए मैच में 155 रनों की शानदार साझेदारी की। यह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ महिला वनडे क्रिकेट में किसी भी टीम की चौथी सबसे बड़ी साझेदारी है। इस मैच में मंधाना 80 और प्रतिका 75 रन बनाकर आउट हुईं।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो गोल करने से चूके मगर पुर्तगाल ने आयरलैंड को 1-0 से हराया

पुर्तगाल। दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो पेनल्टी किक पर गोल करने से चूक गए, लेकिन आखिरी क्षणों में रुबेन नेवेस के गोल की बदौलत पुर्तगाल ने विश्व कप क्वालीफाइंग के यूरोपीय फेज के मैच में आयरलैंड को हरा दिया। शनिवार को लंदन में खेले गए मैच में आयरलैंड को 1-0 से हराकर पुर्तगाल ने ग्रुप एफ की तालिका में अपनी बढ़त मजबूत कर ली।

रोनाल्डो मैच के 75वें मिनट में पेनल्टी पर चूक गए, लेकिन नेवेस ने (90+1 मिनट) में गोल कर टीम को लगातार तीसरी जीत दिलाई। इस जीत के साथ ही टीम ने ग्रुप तालिका में नौ अंक के साथ दूसरे स्थान पर काबिज हंगरी पर पांच अंक की बढ़त कायम कर ली है। ग्रुप के दूसरे मैच में हंगरी ने डेनियल लुकाक्स और जोम्बोर ग्रुबर के गोल की मदद से आर्मेनिया को 2-0 से हराया। स्पेन ने ग्रुप ई के मैच में जॉर्जिया को 2-0 से हराने के बाद तालिका में शीर्ष पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली। बार्सिलोना के चोटिल प्रतिभाशाली खिलाड़ी लामिन यामल की गैरमौजूदगी में येरेमी पिनो और मिकेल ओयारजाबल के गोल से यूरोपीय चैंपियन स्पेन ने जीत दर्ज की। ग्रुप के अन्य मैच में तुर्की ने बुल्गारिया को 6-1 से हराया। नॉर्वे ने ग्रुप आई में एर्लिंग हालैंड की हैट्रिक से इस एकतरफा मैच को 5-0 से अपने नाम किया। हालैंड के नाम अब नॉर्वे के लिए 46 मैचों में 51 गोल हो गये है। टीम की यह छह मैचों में छठी जीत है और वह ग्रुप तालिका में इटली से छह अंक आगे 18 अंकों के साथ शीर्ष स्थान पर है। इटली ने एस्टोनिया को 3-1 से हराया।

नामीबिया ने टी20 मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को

4 विकेट से हराकर रचा इतिहास, आखिरी गेंद पर जीता मैच

नामीबिया। नामीबिया ने शनिवार को रोमांचक टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में दक्षिण अफ्रीका को अंतिम गेंद में चार विकेट से हराकर आईसीसी के पूर्ण सदस्य के खिलाफ पहली जीत दर्ज की। नामीबिया ने अपने घरेलू मैदान नामीबिया क्रिकेट ग्राउंड पर अपना पहला अंतरराष्ट्रीय मैच खेलते हुए दक्षिण अफ्रीका को आठ विकेट पर 134 रन पर रोक दिया। इसके बाद मेजबान टीम ने अपनी पारी की आखिरी गेंद पर जीत हासिल की। टीम ने छह विकेट पर 138 रन बनाए और जीत के बाद एक 'लैप ऑफ ऑनर' भी हुआ।

आईसीसी एसोसिएट सदस्य नामीबिया ने इस टी20 अंतरराष्ट्रीय से पहले दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ किसी भी प्रारूप में कोई अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला था, लेकिन शनिवार को डोनोवन फरेरा की अगुआई वाली दूसरी दर्जे की दक्षिण अफ्रीका टीम को हराकर उनका सपना साकार हो गया।

एडेन मार्करम की अगुआई वाली दक्षिण अफ्रीका की मुख्य टीम वर्तमान में दो टेस्ट मैचों की सीरीज के लिए पाकिस्तान में है जिसके बाद छह सफेद गेंद के मैच खेले जाएंगे। शीर्ष क्रम में क्विंटन डिकॉक और रीजा हेंड्रिक्स जैसे दिग्गजों की मौजूदगी के बावजूद दक्षिण अफ्रीका का स्कोर पांच विकेट पर 68 रन हो गया। अपना दूसरा टी20 मैच खेल रहे जेसन स्मिथ ने 31 गेंदों में 30 रन बनाकर दक्षिण अफ्रीका के स्कोर को कुछ सम्मानजनक बनाया।

नामीबिया के 27 वर्षीय बाएं हाथ के तेज गेंदबाज रूबेन ट्रम्पेलमैन ने 28 रन देकर तीन विकेट चटकाए। इस लक्ष्य के जवाब में नामीबिया का शीर्ष क्रम लड़खड़ा गया और घरेलू टीम ने 66 रन तक चार विकेट खो दिए थे। हालांकि उनके अनुभवी विकेटकीपर-बल्लेबाज जेन एडवर्ड ग्रीन ने 23 गेंदों में नाबाद 30 रन बनाए। वह अपना 72वां टी20 मैच खेल रहे थे। रूबेन ट्रम्पेलमैन ने आठ गेंद में 11 रन बनाकर घरेलू टीम को पारी की आखिरी गेंद पर छह विकेट पर 138 रन के स्कोर तक पहुंचाकर ऐतिहासिक जीत दिलाई। नामीबिया के कप्तान गेरहार्ड इरास्मस पहली बार घरेलू जमीं पर अंतरराष्ट्रीय मैच खेलकर बेहद खुश थे।

गोल्ड जीतने वाली सिमरन शर्मा से छिन सकता है मेडल, धावक का गाइड डोप टेस्ट में हुआ फेल

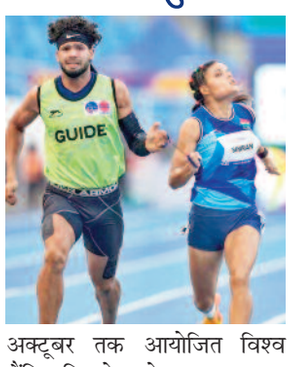

नई दिल्ली। विश्व पैरा-एथलेटिक्स चैंपियनशिप की स्वर्ण विजेता धावक सिमरन शर्मा को अपने पदक गंवाने पड़ सकते हैं क्योंकि उनके गाइड उमर सैफी को डोप परीक्षण में विफल होने के कारण राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) ने अस्थायी तौर पर निलंबित कर दिया है। सैफी सात महीने से अधिक समय से दृष्टिबाधित सिमरन के गाइड हैं। उनके नमूने में ड्रोस्टैनोलोन पाया गया है। यह प्रतिबंधित एनाबोलिक स्टेरॉयड है, जो मांसपेशियों की ताकत को बढ़ाने में मदद करता है।

सिमरन ने सात सितंबर को दिल्ली स्टेट ओपन में 200 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीता था, जहां संभवतः यह डोप टेस्ट किया गया था। सैफी का नाम शुक्रवार को नाडा द्वारा जारी अस्थायी रूप से निलंबित खिलाड़ियों की सूची में शामिल है। वह इसके खिलाफ अपील कर सकते हैं और 'बी' नमूना परीक्षण की मांग कर सकते हैं। यह स्पष्ट नहीं है कि 27 सितंबर से पांच अक्टूबर तक आयोजित विश्व चैंपियनशिप से पहले उनका नाम नाडा की वेबसाइट पर क्यों नहीं आया। सिमरन ने पहली बार भारत में आयोजित की गई इस चैंपियनशिप की 100 मीटर टी12 में स्वर्ण के अलावा 200 मीटर दौड़ में रजत पदक जीता था। 100 मीटर का स्वर्ण पदक विश्व चैंपियनशिप में उनका लगातार दूसरा स्वर्ण पदक था। अंतरराष्ट्रीय पैरालंपिक समिति के नियमों के अनुसार, यदि सैफी अपनी बेगुनाही साबित करने में विफल रहता है तो सिमरन अपने पदक खो सकती है।

अफगानिस्तान की आंधी में उड़ा बांग्लादेश, 81 रनों से मात देकर सीरीज पर जमाया कब्जा

अफगानिस्तान। अफगानिस्तान क्रिकेट टीम ने एक बार फिर अपनी शानदार गेंदबाजी से सबको प्रभावित किया। अबू धाबी में खेले गए दूसरे वनडे मुकाबले में अफगान टीम ने बांग्लादेश को 81 रनों के बड़े अंतर से हराकर तीन मैचों की वनडे सीरीज 2-0 से अपने नाम कर ली। इस जीत के हीरो रहे टीम के स्टार स्पिनर राशिद खान, जिन्होंने शानदार गेंदबाजी करते हुए सिर्फ 17 रन देकर 5 विकेट झटके। वहीं, बल्लेबाजी में इब्राहिम जादरान ने बेहतरीन 95 रनों की पारी खेली और टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया।

अफगानिस्तान ने बनाए 190 रन

अबू धाबी में टॉस जीतकर अफगानिस्तान की टीम ने पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। हालांकि टीम की शुरूआत थोड़ी धीमी रही, लेकिन सलामी बल्लेबाज इब्राहिम जादरान ने टीम की कमान संभाली। उन्होंने 140 गेंदों में 95 रनों की शानदार पारी खेली, जिसमें उन्होंने स्ट्राइक रेट 67।85 रखा। उनके अलावा मोहम्मद नबी (22) और ए।एम। गजनफर (22) ने भी कुछ अहम रन जोड़े। हालांकि बाकी बल्लेबाज कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर सके और पूरी टीम 44।5 ओवरों में 190 रनों पर ऑलआउट हो गई। प्लेयर ऑफ द मैच बने इब्राहिम जादरान के लिए अउ का एक्स पोस्ट नीचे दिया है।

बांग्लादेश की तरफ से मेहदी हसन मिराज सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने 10 ओवर में 42 रन देकर तीन विकेट हासिल किए। उनके अलावा रिशाद हुसैन और तंजीम हसन साकिब ने दो-दो विकेट झटके, जबकि तनवीर इस्लाम को एक सफलता मिली। हालांकि टीम के गेंदबाजों ने अफगानिस्तान को 200 के अंदर रोक लिया, लेकिन बल्लेबाजी में उनका प्रदर्शन पूरी तरह से फ्लॉप रहा।

190 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी बांग्लादेश की टीम अफगान गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पाई। राशिद खान ने अपनी स्पिन का जादू दिखाते हुए बांग्लादेशी बल्लेबाजों को पूरी तरह बैकफुट पर धकेल दिया। राशिद ने 8।3 ओवरों में केवल 17 रन खर्च कर 5 विकेट झटके। उन्होंने तौहीद हृदोय (24), नूरुल हसन (15), तंजीम हसन साकिब (0), रिशाद हुसैन (5) और तनवीर इस्लाम (0) को पवेलियन भेजा। उनके साथ अजमतुल्लाह उमरजई ने 3 विकेट लिए और नांगेयालिया खारोटे को एक सफलता मिली।

109 रनों पर सिमटी बांग्लादेशी टीम

लक्ष्य का पीछा करते हुए बांग्लादेश की पूरी टीम 28।3 ओवरों में 109 रन बनाकर ढेर हो गई। टीम के लिए तौहीद हृदोय (24) और सैफ हसन (22) ने थोड़ी कोशिश की, लेकिन बाकी बल्लेबाज टिक नहीं सके। किसी भी खिलाड़ी ने 25 रन का आंकड़ा पार नहीं किया। राशिद खान और अफगानिस्तान के अन्य गेंदबाजों ने लगातार दबाव बनाए रखा, जिससे बांग्लादेशी बल्लेबाज गलत शॉट खेलते गए और विकेट गंवाते गए।

'श्रीलंकाई स्पिनरों को हावी नहीं होने दिया', बोलीं इंग्लैंड की कप्तान साइवर ब्रंट

इंग्लैंड। इंग्लैंड ने आईसीसी महिला वनडे वर्ल्ड कप 2025 में लगातार तीसरी जीत दर्ज की। कप्तान नटाली साइवर ब्रंट ने 117 रन बनाए और सोफी एक्लेस्टोन ने 4 विकेट झटके। श्रीलंका 164 रन पर ढेर हुआ, इंग्लैंड ने 89 रन से जीत दर्ज की और प्लेयर ऑफ द मैच साइवर ब्रंट रहीं।

महिल वर्ल्ड कप 2025 में इंग्लैंड की कप्तान नटाली साइवर ब्रंट की बेहतरीन शतकीय पारी और सोफी एक्लेस्टोन की शानदार गेंदबाजी की बदौलत लगातार तीसरी जीत दर्ज की। इंग्लैंड ने श्रीलंका को ग्रुप मैच में 89 रन से हराकर टूर्नामेंट में अपनी स्थिति और मजबूत कर ली। इससे पहले इंग्लैंड ने अपने शुरूआती दो मुकाबले साउथ अफ्रीका और बांग्लादेश के खिलाफ जीते थे।

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की टीम की शुरूआत कुछ धीमी रही, लेकिन कप्तान नटाली साइवर ब्रंट ने एक बार फिर अपने अनुभव का परिचय दिया। उन्होंने 117 रन की शानदार पारी खेलते हुए टीम को 9 विकेट पर 253 रन के फाइटिंग टोटल तक पहुंचाया। उनकी यह पारी वर्ल्ड कप में उनका पांचवां शतक रहा, जो एक रिकॉर्ड है। तमसिन ब्यूमॉन्ट ने 32 रन का योगदान दिया जबकि बाकी बल्लेबाज छोटी पारियां ही खेल पाए। श्रीलंका की ओर से इनोक्का रणवीरा ने 3 विकेट झटके, जबकि उदेशिका प्रबोधनी और सुगंदिका कुमारी ने 2-2 विकेट हासिल किए। कवीशा दिल्हारी को भी एक विकेट मिला। लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका की टीम को शुरूआत से ही झटके लगते रहे। टीम 45।5 ओवर में सिर्फ 164 रन पर सिमट गई। बाएं हाथ की स्पिनर सोफी एक्लेस्टोन ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 10 ओवर में 17 रन देकर चार विकेट चटकाए। उन्होंने अपने स्पेल में तीन मेडन ओवर फेंके और श्रीलंका की बल्लेबाजी की रीढ़ तोड़ दी। एक्लेस्टोन ने हसिनी परेरा, हर्षिता समरविक्रमा, कवीशा दिल्हारी और कप्तान चामरी अटापट्टू को आउट किया।

श्रीलंका की कप्तान चामरी अटापट्टू शुरूआत में रिटायर्ड हर्ट होकर मैदान से बाहर चली गईं जब टीम का स्कोर 18 रन था। वह बाद में दोबारा बल्लेबाजी करने लौटीं, लेकिन एक्लेस्टोन की सटीक गेंद का शिकार बन गईं। सलामी बल्लेबाज हसिनी परेरा 35 रन और हर्षिता समरविक्रमा 33 रन ने तीसरे विकेट के लिए 58 रन जोड़कर कुछ उम्मीदें जगाईं, लेकिन दोनों के आउट होते ही श्रीलंका की पारी ढह गई। टीम का स्कोर एक समय 116 रन 5 विकेट के नुकसान पर हो गया और फिर वापसी का कोई मौका नहीं बचा।

कप्तान साइवर ब्रंट ने सिर्फ बल्ले से नहीं, बल्कि गेंद से भी कमाल दिखाया। उन्होंने 5 ओवर में 25 रन देकर 2 विकेट झटके और श्रीलंका की उम्मीदों पर पूरी तरह पानी फेर दिया। उन्होंने अनुष्का संजीवनी और देवमी विहंगा को आउट कर विपक्षी टीम को और मुश्किल में डाल दिया। उनके हरफनमौला प्रदर्शन की बदौलत उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। इसके अलावा चार्ली डीन ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए 2 विकेट लिए, जबकि लिन्से स्मिथ और एलिस कैप्से ने एक-एक विकेट अपने नाम किया। इस जीत के साथ इंग्लैंड ने टूर्नामेंट में अपनी तीसरी लगातार जीत हासिल की और सेमीफाइनल की ओर मजबूत कदम बढ़ाए।

ओमान को हराकर यूएई 1990 के बाद पहली बार विश्व कप में जगह बनाने के करीब

दोहा। दोहा में शनिवार को खेले गए एशियाई क्वालिफाइंग मुकाबले में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने ओमान को 2-1 से हराकर 1990 के बाद पहली बार फीफा विश्व कप में जगह बनाने की अपनी उम्मीदों को मजबूत कर लिया। इस जीत के साथ यूएई चौथे दौर में शीर्ष पर पहुंच गया है और अब उसे मंगलवार को कतर के खिलाफ मुकाबले में सिर्फ ड्रॉ की जरूरत है ताकि वह सीधे 2026 विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर सके।

ओमान की उम्मीदों को झटका

इस हार के साथ ओमान की इतिहास रचने की उम्मीदें फिलहाल खत्म हो गईं। तीन टीमों के ग्रुप ए में ओमान अब स्वतः क्वालिफाई नहीं कर सकेगा। हालांकि, टीम के पास अभी भी दूसरे स्थान पर रहकर पांचवें दौर में पहुंचने का मौका है।

यूएई की रोमांचक जीत की कहानी

मैच के 12वें मिनट में यूएई आत्मघाती गोल के कारण पिछड़ गया था। लेकिन टीम ने शानदार वापसी की और 76वें मिनट में मार्कस मेलोनी ने गोल दागकर स्कोर बराबर कर दिया। इसके सात मिनट बाद सिआओ लुकास ने निर्णायक गोल करते हुए यूएई को बढ़त दिलाई, जो मैच के अंत तक कायम रही।

उधर ग्रुप बी के मुकाबले में इराक ने मैनचेस्टर यूनाइटेड के पूर्व खिलाड़ी जिदान इकबाल के गोल की बदौलत इंडोनेशिया को 1-0 से हराया। इस जीत के साथ इराक अंक तालिका में सऊदी अरब की बराबरी पर आ गया है। दोनों टीमों का अगला मुकाबला मंगलवार को होगा, जो ग्रुप शीर्ष और सीधे क्वालीफिकेशन की दौड़ तय करेगा। अगर इराक सऊदी अरब को हरा देता है, तो वह 1986 के बाद पहली बार विश्व कप में जगह बनाएगा।

दिल्ली हाफ मैराथन का यह 20वां सत्र, मटाटा और रेंगरुक बने चैंपियन

कीनिया। कीनिया के लंबी दूरी के धावक एलेक्स मटाटा और लिलियन कासैट रेंगरुक ने रविवार को वेदांत दिल्ली हाफ मैराथन में क्रमशः पुरुष और महिला वर्ग की एलीट दौड़ जीतीं। पिछले साल यहां दूसरे स्थान पर रहे मटाटा ने रविवार को 59 मिनट 50 सेकंड का समय निकालकर बोयेलिन टेशागर (एक घंटा 22 सेकंड) और जेम्स किपकोगी (एक घंटा 25 सेकंड) को पछाड़ा।

रेंगरुक ने एक घंटे सात मिनट 20 सेकंड का समय निकालकर महिला वर्ग का खिताब जीता। इथियोपिया की जोड़ी मेलाल सियूम बिरातु (एक घंटा सात मिनट 21 सेकंड) और मुलत टेकले (एक घंटा सात मिनट 29 सेकंड) क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहीं। अभिषेक पाल और सीमा भारतीय पुरुष और महिला वर्ग में सबसे तेज धावक रहे। उन्होंने क्रमशः एक घंटे चार मिनट 17 सेकंड और एक घंटे 11 मिनट 23 सेकंड का समय लिया। दिल्ली हाफ मैराथन का यह 20वां सत्र है, जिसे यहां के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम से हरी झंडी दिखाई गई थी। इसकी कुल पुरस्कार राशि 260,000 डॉलर है।

तीसरे दिन का खेल खत्म, फॉलोऑन खेलते हुए वेस्टइंडीज 173/2, भारत से अब भी 97 रन पीछे

नई दिल्ली। तीसरे दिन के खेल का अंत हो चुका है। वेस्टइंडीज ने फॉलोऑन खेलते हुए दो विकेट पर 173 रन बना लिए हैं। टीम अब भी भारत से 97 रन पीछे है। इस टेस्ट या यूं कहें इस सीरीज में पहली बार वेस्टइंडीज की बल्लेबाजी ने दम दिखाया है। 35 रन पर दो विकेट गंवाने के बाद जॉन कैंपबेल और शाई होप ने तीसरे विकेट के लिए अब तक 207 गेंद में 138 रन की नाबाद साझेदारी कर ली है। कैंपबेल 87 और होप 66 रन बनाकर नाबाद हैं। तेजनारायण चंद्रपॉल 10 रन बनाकर सिराज की गेंद पर आउट हुए, जबकि एलिक एथनाजे सात रन बनाकर सुंदर का शिकार बने।

भारत ने अपनी पहली पारी में पांच विकेट पर 518 रन बनाए थे और पारी घोषित कर दी थी। इसके बाद वेस्टइंडीज की पहली पारी 248 रन पर सिमट गई थी। उन्हें फॉलोऑन बचाने के लिए 319 रन बनाने थे, लेकिन टीम 71 रन पीछे रह गई थी। भारत को पहली पारी में 270 रन की बढ़त मिली और टीम ने वेस्टइंडीज को फॉलोऑन खिलाया। हालांकि, तीसरे सत्र में होप और कैंपबेल ने गजब का जज्बा दिखाया और अटैकिंग क्रिकेट खेली। साथ ही विकेट नहीं गिरने दिया। कैंपबेल ने अब तक नौ चौके और दो छक्के लगाए हैं, जबकि होप ने आठ चौके और दो छक्के लगाए हैं। इससे पहले वेस्टइंडीज की पहली पारी 248 रन पर सिमट गई थी। वेस्टइंडीज की टीम ने रविवार को चार विकेट पर 140 रन से आगे खेलना शुरू किया और 108 रन बनाने में बाकी के छह विकेट गंवा दिए। कुलदीप यादव ने घातक गेंदबाजी की और पांच विकेट झटके। यह उनके टेस्ट करियर का पांचवां फाइव विकेट हॉल रहा।

रविवार को वेस्टइंडीज को शुरूआती तीन झटके कुलदीप ने ही दिए। उन्होंने शाई होप (36), तेविन इमलाक (21) और जस्टिन ग्रीव्स (17) को पवेलियन भेजा। इसके बाद सिराज ने जोमेल वारिकन को क्लीन बोल्ड किया। वारिकन एक रन बना सके। इसके बाद बुमराह ने खेरी पियरे को बोल्ड किया। पियरे 23 रन बना सके। आखिर में कुलदीप ने जेडन सील्स (13) को एल्बीडब्ल्यू कर वेस्टइंडीज की पारी 81.5 ओवर में 248 रन पर समेट दिया।

एंडरसन फिलिप 24 रन बनाकर नाबाद रहे। इससे पहले जॉन कैंपबेल 10 रन, तेजनारायण चंद्रपॉल 34 रन और एलिक एथनाजे 41 रन बनाकर आउट हुए थे। कप्तान रोस्टन चेज खाता नहीं खोल सके थे। भारत की ओर से कुलदीप के अलावा रवींद्र जडेजा ने तीन विकेट झटके, जबकि बुमराह और सिराज को एक-एक विकेट मिला।

नगर निगम की बड़ी कार्रवाई 50 टन सिंगल यूज प्लास्टिक जब्त

जीएसटी विभाग का रहा सहयोग

गाड़ी से लेकर गोदाम तक पहुंची निगम टीम शहर को प्लास्टिक मुक्त बनाने का अभियान तेज

गाजियाबाद, करंट क्राइम : नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के नेतृत्व में गाजियाबाद नगर निगम ने सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए लगभग 50 टन पॉलिथीन जब्त की है। यह कार्रवाई मोहन नगर जोन में जीएसटी विभाग के सहयोग से की गई। नगर निगम की स्वास्थ्य विभाग टीम ने अभियान के दौरान 10 टन पॉलिथीन से भरा ट्रक पकड़ा। नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मिथिलेश के अनुसार, ट्रक से 40 बैग पॉलिथीन बरामद किए गए जिन्हें आगे की प्रक्रिया के लिए रेत मंडी प्लांट भेजा गया।

बड़ी कार्रवाई से मचा हड़कंप

करंट क्राइम : इसके बाद नगर निगम और जीएसटी की संयुक्त टीम ने प्लास्टिक के गोदाम पर छापा मारा। निरीक्षण में वहां लगभग 40 टन सिंगल यूज प्लास्टिक मिलने की आशंका जताई गई। गोदाम को स्वास्थ्य विभाग द्वारा सील कर दिया गया है और संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जा रही है। महापौर सुनीता दयाल और नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने कहा कि शहर को प्लास्टिक मुक्त बनाना निगम की प्राथमिकता है। नगर आयुक्त ने कहा समस्या के समाधान के लिए उसकी जड़ तक जाना बेहद जरूरी है। गाड़ी पकड़ने के बाद गोदाम तक कार्रवाई की गई ताकि प्लास्टिक सप्लाई के पूरे नेटवर्क को तोड़ा जा सके। नगर निगम द्वारा नागरिकों से भी अपील की गई है कि वे सिंगल यूज प्लास्टिक का बहिष्कार करें और स्वच्छ, पर्यावरण-अनुकूल गाजियाबाद के निर्माण में सहयोग दें।

कौशांबी सेंट्रल पार्क में पार्षद कुसुम गोयल ने विकास कार्यों का शुभारंभ

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। क्षेत्रीय पार्षद कुसुम मनोज गोयल द्वारा कौशांबी सेंट्रल पार्क में चबूतरा और मंदिर के पीछे वाले हाल के रिपेयर के कार्य का शुभारंभ समाजसेवी सतीश रोहतगी द्वारा नारियल फोड़ कर किया गया। इस अवसर पर पूर्व पार्षद डॉ मनोज गोयल ने बताया कि कौशांबी सेंट्रल पार्क में बैंजो की रिपेयर, रंगाई के कार्य पूरे हो चुके हैं। पार्क में बनी हटों का रिपेयर और रंगाई पुताई के कार्य भी पूरे हो चुके हैं।

झूलों की रिपेयर भी हो चुकी है और फुटपाथ पर लाइटें लगाई जा चुकी हैं। पार्षद द्वारा वरिष्ठ नागरिकों का फूल माला पहनाकर स्वागत किया गया और इस कार्य के लिए महापौर सुनीता दयाल और नगर आयुक्त विक्रमादित्य मलिक का आभार प्रकट किया गया। इस अवसर पर राकेश जकेतिया, मनीष जैन, गौरव वर्मा, जयपुरिया के अध्यक्ष के एल सचदेवा, वरिष्ठ भाजपा नेता अवधेश कटिहार, पवन गुप्ता, सरदार जसपाल सिंह, कमल गुप्ता, ललित नरेंद्र सिंह, राज शर्मा, महाराज सिंह, पवन सैनी, गौतम कुमार, जोगिंदर सिंह, प्रेम गोगिया, मनीष मैरोडिया, देव घटक और सुब्रतो चौधरी आदि लोग उपस्थित रहे।

पार्षद प्रीति जैन ने विंडसर मार्ग पर निर्माण कार्य का शुभारंभ

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। इंदिरापुरम वार्ड 99 की पार्षद प्रीति जैन द्वारा विंडसर मार्ग के निर्माण कार्य का शुभारंभ किया गया। यह मार्ग वैभव खंड की एंट्री से लेकर आदित्य मेगासिटी, जीसी ग्रैंड, लोटस प्लाजा, अमरपाली रॉयल, महागुण मेंशन, कृष्णा अपरा सफायर, एक्सप्रेस गार्डन और एसपीएस सोसाइटी के बीच से होकर गुजरता है।

इस अवसर पर पार्षद प्रीति जैन ने नारियल फोड़कर कार्य का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में पूर्व पार्षद अभिनव जैन, सुधीर पाल आर्य, मुनीष जैन, निखिल गुप्ता, राजीव जैन सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। पार्षद प्रीति जैन ने कहा कि 'क्षेत्र के सभी मार्गों को दुरुस्त कर वार्ड 99 को जलभराव मुक्त और सुगम बनाया जाएगा। यह सभी निवासियों के सहयोग से संभव होगा।'

इस श्रृंखला में आगे भारद्वाज मार्ग जो आदित्य मेगासिटी के गेट नंबर 5 के आगे तथा विंडसर सोसाइटी के सामने से गुजरता है का निर्माण भी किया जाएगा। साथ ही विंडसर स्ट्रीट, जो विंडसर मार्केट और एक्सप्रेस गार्डन के बीच स्थित है, उसका निर्माण कार्य भी इसी परियोजना के अंतर्गत प्रारंभ कराया जा रहा है। इसके अलावा सुशीला नैयर मार्ग पारसनाथ मजेस्टिक सोसाइटी के आगे से शिप्रा मॉल, कृष्णा अपरा गार्डन होते हुए दविंदर सिंह जस मार्ग का कार्य भी जल्द ही शुरू होगा।

संजय नगर स्थित शिल्प उद्यान पार्क का उपाध्यक्ष जीडीए द्वारा किया गया निरीक्षण

गाजियाबाद, करंट क्राइम। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण द्वारा विकसित संजय नगर योजना में स्थित शिल्प उद्यान पार्क का निरीक्षण प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अतुल वत्स ने प्राधिकरण के उद्यान अनुभाग के अधिकारियों के साथ किया। उल्लेखनीय है कि संजय नगर कॉलोनी का हस्तांतरण नगर निगम को किया जा चुका है, किंतु शिल्प उद्यान पार्क अब भी गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के नियंत्रण एवं रखरखाव में है। निरीक्षण के दौरान उपाध्यक्ष ने पार्क में उपलब्ध सुविधाओं का विस्तृत जायजा लिया तथा वहां उपस्थित आगन्तुकों से संवाद किया। आगन्तुकों ने बताया कि पार्क की अधिकांश सुविधाएँ उत्तम स्थिति में हैं, परंतु बैठने के लिए कुछ अतिरिक्त बेंच लगाए जाने से नागरिकों को और सुविधा होगी।

❑ पार्क की सभी सुविधाओं को एक सप्ताह में ठीक कराते हुए रिपोर्ट करने का निर्देश

इस पर उपाध्यक्ष ने उद्यान प्रभारी को निर्देशित किया कि पार्क की सभी सुविधाओं का पुनः परीक्षण (रिव्यू) किया जाए तथा लाइटों, बैठने हेतु बेंचों एवं सौन्दर्यकरण से संबंधित सभी आवश्यक कार्य अगले एक सप्ताह के भीतर पूर्ण कराकर रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। साथ ही उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि पार्क में कार्यरत सभी कर्मचारी उचित वर्दी (ड्रेस-अप) में रहें तथा सभी सुरक्षा मानकों एवं सावधानियों का पालन करें, ताकि कार्य की गुणवत्ता के साथ-साथ श्रमिकों की सुरक्षा भी सुनिश्चित हो सके।

उन्होंने कहा कि प्राधिकरण का उद्देश्य नागरिकों को स्वच्छ, सुरक्षित और आकर्षक सार्वजनिक स्थल उपलब्ध कराना है, ताकि गाजियाबाद की हर योजना में बेहतर जीवन-पर्यावरण सुनिश्चित किया जा सके।

अजय कुमार गर्ग इंजीनियरिंग कॉलेज ने एकला गांव में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का किया आयोजन

गाजियाबाद, करंट क्राइम। एन.एच.-24 स्थित अजय कुमार गर्ग इंजीनियरिंग कॉलेज के उन्नत भारत अभियान के अंतर्गत एकला गाँव में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। कॉलेज के विद्यार्थियों ने गाँव के घर-घर जाकर लोगों को इस शिविर के बारे में जानकारी दी। उन्हें निःशुल्क स्वास्थ्य जांच के लिए प्रोत्साहित किया। इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ. अवधेश गुप्ता, मृदुल जैन, एवं डॉ.राजीव त्यागी रहे। शिविर में डॉ. अनमोल रतन दंत रोग विशेषज्ञ तथा फोकस ऑप्टिक्स और यशोदा हॉस्पिटल पैथोलॉजिस्ट टीम की ओर से गांव के सैकड़ों लोगों की निःशुल्क जांच एवं उपचार किया गया। डॉक्टर राजीव त्यागी ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य जागरूकता फैलाना और लोगों को प्रारंभिक स्वास्थ्य परीक्षण की सुविधा प्रदान करना था।

वसुंधरा में निकाली गई कार्तिक मास के प्रथम रविवार को नगर परिक्रमा

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। वसुंधरा सेक्टर 1एल आई जी कॉलोनी में श्रीकृष्ण जन्मोत्सव समिति के तत्वाधान में कार्तिक मास के प्रथम रविवार को नगर परिक्रमा निकाली गई।

समिति के संरक्षक कैलाश चन्द्र शर्मा ने बताया गत वर्षों की भांति कार्तिक मास में सोसायटी का आध्यात्मिक नाम भागवदपुरम हो जाता है और मास के चारों रविवार भक्तों द्वारा परिक्रमा निकाली जाती है। समिति सचिव ऋचा त्यागी ने बताया परिक्रमा चंद्रशेखर पार्क से आरम्भ हो भागवदपुरम की गलियों से भजन कीर्तन करते हुए हुई वापस चंद्रशेखर पार्क पहुंची जहाँ मन्त्रोंचारण उपरांत आरती सम्पन्न हुई। इस अवसर पर अध्यक्ष निशा त्यागी, उपाध्यक्ष उर्मिला शर्मा, सांस्कृतिक प्रभारी सीमा शर्मा, संयोजिका राधा तिवारी, कोषाध्यक्ष मनीषा वशिष्ठ, रेनू शर्मा, मधु चतुर्वेदी, रेनू मित्तल, मीनू बोहरा, मुन्नी देवी, मीनू मिश्रा, चित्रा पाठक, वाई पी जौहरी, डी एन तिवारी, बी पाठक, गजराज सिंह, रामकिशन गोस्वामी, सत्यनारायण मिश्रा, राधाचरण आदि उपस्थित रहे।

पीसीएस व एफओ परीक्षा में गाजियाबाद में मात्र 35.92 प्रतिशत अभ्यर्थी ही पहुंचे परीक्षा देने

गाजियाबाद, करंट क्राइम। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित पीसीएस एवं एफओ परीक्षा में गाजियाबाद जिले में उपस्थिति का प्रतिशत काफी कम दर्ज किया गया। जिले के विभिन्न 21 परीक्षा केंद्रों पर कुल 9600 परीक्षार्थियों में से केवल 3430 अभ्यर्थी ही दूसरी पाली में उपस्थित रहे, जबकि पहली पाली में 3466 अभ्यर्थी पहुंचे। इस प्रकार कुल मिलाकर दोनों पालियों में 6896 परीक्षार्थी ही उपस्थित हुए, जो कि कुल उपस्थिति का 35.92 प्रतिशत है।

सबसे अधिक उपस्थिति लाजपत राय डिग्री कॉलेज केंद्र पर दर्ज की गई, जहां 46.88 प्रतिशत अभ्यर्थी पहली पाली में तथा 46.09 प्रतिशत दूसरी पाली में उपस्थित रहे। वहीं, सबसे कम उपस्थिति लोकमान्य तिलक जनता इंटर कॉलेज, मुरादनगर में रही, जहां केवल 24.58 प्रतिशत उम्मीदवार पहुंचे।

परीक्षा में शामिल कुल 21 केंद्रों पर लगभग 12,304 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे, जो आयोग के लिए चिंता का विषय है। विशेषज्ञों का कहना है कि इतनी कम उपस्थिति का कारण परीक्षा की कठिनाई, केंद्रों की दूरी और प्रतियोगी परीक्षाओं की अधिकता हो सकता है।

शेयर बाजार में निवेश: इंजीनियर हुआ 1.65 लाख का शिकार

साहिबाबाद। साइबर अपराधियों ने खोड़ा थाना क्षेत्र में एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर को शेयर बाजार में निवेश और मुनाफे का लालच देकर 1.65 लाख रुपये की ठगी कर ली। ठगी का अहसास होने पर इंजीनियर ने थाने में ऑनलाइन और लिखित शिकायत दर्ज कराई। पुलिस मामले की जांच कर रही है। दीपक विहार निवासी आकाश कुमार एक निजी कंपनी में सॉफ्टवेयर इंजीनियर हैं। जून में उन्हें एक व्हाट्सएप ग्रुप में जोड़ा गया, जहां उन्होंने शेयर बाजार में निवेश को लेकर चर्चा की। आकाश ठगी के झांसे में आ गए और उन्होंने धोखेबाजों का शेयर ट्रेडिंग ऐप डाउनलोड कर लिया। साइबर अपराधियों ने आकाश को एक निजी कंपनी का आईपीओ खरीदने के लिए 30,000 रुपये निवेश करने का झांसा दिया। ऐप पर 29,000 रुपये का लाभ दिखाया गया, जबकि 1,000 रुपये का घाटा दिखाया गया। इसके बाद, अपराधियों ने उन्हें शून्य निवेश के साथ आईपीओ खरीदने का लालच दिया और उन्हें 1.35 लाख रुपये के आईपीओ आवंटित किए। इस रकम को निकालने के लिए उन्हें 1.05 लाख जमा करने को कहा गया। जब उन्होंने मना किया, तो साइबर अपराधियों ने उन पर दबाव बनाया और धमकाया। फिर उन्होंने 1.05 लाख जमा कर दिए। ऐप अब उन्हें 2.11 लाख का मुनाफा दिखा रहा है। आरोपियों में से एक, जय अग्रवाल ने उन्हें पैसे निकालने के लिए 30,000 जमा करने को कहा। 30,000 जमा करने के बावजूद, वह पैसे नहीं निकाल पाए और ठगी का एहसास होने पर उन्होंने पुलिस को सूचना दी। एसीपी इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि शिकायत मिली है और उसके आधार पर कार्रवाई की जा रही है।

दिवाली से पूर्व सिद्धार्थ विहार में लगा आर आर आर कलेक्शन कैंप

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। गाजियाबाद के सिद्धार्थ विहार की प्रतीक ग्रैंड सिटी में स्वच्छ भारत मिशन के तहत एक आर आर आर (रिड्यूस, रीयूज, रिसाइकल) कलेक्शन कैंप का आयोजन किया गया। इस कैंप में बड़ी संख्या में सोसाइटी निवासियों ने इस्तेमाल नहीं की जाने वाली वस्तुएं जैसे पुराने कपड़े, प्लास्टिक, प्लास्टिक का बना सामान, खिलौने, जूते, पुराने ई वेस्ट आदि जमा किए।

इस कैंप में 115 से अधिक लोगों ने हिस्सा लिया और अपनी अनचाही वस्तुओं को जमा किया। इस अवसर पर गाजियाबाद नगर निगम की स्वच्छ भारत मिशन टीम के सदस्य उपस्थित थे, जिनमें सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट एक्सपर्ट अमित सिंह, जोनल इंचार्ज आकाश बैंसला, नितिन भारती, अमन, संजय और हर्ष शामिल थे। नगर निगम की टीम ने बताया कि लोगों में जागरूकता बढ़ाने के लिए नियमित रूप से हर छह महीने में ऐसे कैंप लगाए जाएंगे। इससे न केवल कूड़े की समस्या का समाधान होगा, बल्कि लोगों को भी स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया जा सकेगा।

सोसाइटी निवासियों ने नगर निगम की इस पहल का स्वागत किया और कहा कि इससे उन्हें अपनी अनचाही वस्तुओं को जमा करने में मदद मिलेगी और स्वच्छता बनाए रखने में भी सहयोग मिलेगा।

रोशनी से जगमग हुआ कमिश्नर ऑफिस

पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में लगातार कार्यालय को सुधारने, संवारने और व्यवस्थित करने का अभियान चल रहा है। इसकी झलक पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद के अलग-अलग जोन और कार्यालयों में दिखने लगी है। पुलिस कमिश्नरेट वाले सिस्टम में पुलिस कमिश्नर का कार्यालय अब दीपावली से पहले ही जगमग हो उठा है। पुलिस ऑफिस में जो नई लाइटें लगाई गई हैं, वह दूर से ही अपनी रोशनी दर्शा रही हैं। तो लगातार जिस तरीके से पुलिस ऑफिस में सफाई वाला अभियान चल रहा है, इसका मकसद भी यही है कि सुंदरता और सफाई नजर आए। कभी इस कार्यालय में दिन छुपते ही अंधेरा और अलग सी खामोशी छा जाती थी लेकिन सुनने में आ रहा है कि कमिश्नरेट वाले सिस्टम में एक नंबर दो के अधिकारी ऐसे भी हैं, जो कई बार दिन छुपाने के बाद भी यहां बैठते हैं। वह वर्किंग करते है, तो पुलिस के अलग-अलग स्तर के अधिकारियों के साथ मीटिंग से लेकर अन्य विषयों पर चर्चा करते हैं। हालांकि इन दिनों पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में नगर निगम वालों का भी योगदान देखने को मिल रहा है। जगह प्रमुख मार्गों और सड़क के किनारे व मुख्य चौराहों पर रंग-बिरंगी लाइटिंग शुरू कर दी गई है। जिसका मकसद है कि शहर सुंदर और रोशन नजर आए। उधर सुनने में आ रहा है कि एक साहब के आवास की समस्या अभी भी बनी हुई है। वह दूसरी जगह ही रह रहे हैं, क्योंकि उनके स्तर के अधिकारी वाला मकान का अभी यहां मामला सेट नहीं हो पा रहा है। कुल मिलाकर पुलिस कमिश्नरेट गाजियाबाद वाले सिस्टम में जहां थाना प्रभारियों के स्तर पर बदलाव की चर्चा सुनाई दे रही है। तो वही लखनऊ वाले सूत्र बता रहे हैं कि आईपीएस और पीपीएस वाली लिस्ट दीपावली के बाद आएगी। इसमें कमिश्नरेट से जुड़े कुछ एसीपी स्तर और अन्य अधिकारियों का रिप्लेसमेंट संभव है। अब देखना होगा एसीपी स्तर में जो बदलाव होंगे उनको किस जगह भेजा जाता है। वैसे बताया जा रहा है कि पुलिस कमिश्नरेट वाले सिस्टम पर फाइनल इफेक्ट दीपावली के बाद ही आएगा। देखना होगा दीपावली के बाद कौन से अधिकारियों को यहां से रवाना किया जाएगा और किस अधिकारी को ऑन डिमांड बुलाया जाता है। पुलिस सूत्र बता रहे हैं कि इसी माह के अंतिम दिनों में यह स्थिति भी क्लियर हो सकती है।

सपा कार्यकर्ताओं ने मनाया जय प्रकाश नारायण का जन्म दिवस

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। समाजवादी पार्टी शिविर कार्यालय 1, स्वरुप पार्क जी टी रोड साहिबाबाद के प्रांगण में लोकतंत्र प्रहरी, भारत रत्न, समाजवाद के ध्वजवाहक, जय प्रकाश नारायण का जन्म दिवस समारोह 'लोकतंत्र बचाओ, देश बनाओ' दिवस के रूप में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सभी साथियों ने लोक नायक जय प्रकाश नारायण के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें स्मरण करते हुए उनके द्वारा बताए सिद्धांतों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। राजेन्द्र सिंह ने कार्यक्रम का शुभारम्भ भजन द्वारा किया, जबकि ताहिर अली ने देश-प्रेम गीत सुना कर सभी को आत्मविभोर कर दिया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए समाजवादी चिन्तक, राम दुलार यादव ने कहा कि जय प्रकाश बाबू ने अपने जीवन में शोषण, अन्याय के खिलाफ संघर्ष किया और देश में सम्पूर्ण क्रान्ति का भंवर पैदा किया। उन्होंने कहा कि आज देश में आर्थिक और सामाजिक असमानता बढ़ रही है, जिसे रोकने के लिए जय प्रकाश बाबू जैसे नेताओं की आवश्यकता है। इस अवसर पर राम दुलार यादव, रामेश्वर यादव, एस एन जायसवाल, समाज सेविका फूलमती यादव, राम प्यारे यादव, जगन्नाथ प्रसाद, विजय सिंह, नजिया, नागेन्द्र मौर्य, विजय भाटी एडवोकेट, मो0 यासीन, ताहिर अली, राजेन्द्र सिंह आदि लोग मौजूद रहे।

एसडीजीआई ग्लोबल यूनिवर्सिटी में 'एस्पेरांजा 2025' का शानदार आयोजन

सत्र 2025-26 के नए छात्रों का हुआ स्वागत

गाज़ियाबाद, करंट क्राइम। एसडीजीआई ग्लोबल यूनिवर्सिटी, गाज़ियाबाद ने नए शैक्षणिक सत्र 2025-26 की शुरूआत पूरे उत्साह और जोश के साथ की। इस मौके पर 'एस्पेरांजा 2025' नाम से एक भव्य फ्रेशर्स पार्टी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत पारंपरिक दीप प्रज्वलन से हुई। मुख्य अतिथि के रूप में सुरेन्द्र नाथ तिवारी, डीसीपी (देहात), गाज़ियाबाद ने शिरकत की। उनके साथ सम्राट मानव (राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, गाज़ियाबाद) और सर्वेश कुमार पाल (एसएचओ, वेव सिटी) भी मौजूद रहे।

इस मौके पर कुलाधिपति महेंद्र अग्रवाल, उपाध्यक्ष अखिल अग्रवाल, राजीव अग्रवाल, प्रो-कुलाधिपति नितिन अग्रवाल, पीयूष श्रीवास्तव, विमल कुमार शर्मा, कुलपति डॉ. प्रसेनजीत कुमार और रजिस्ट्रार डॉ. राजीव रतन उपस्थित रहे।

इस आयोजन ने एक बार फिर साबित किया कि एसडीजीआई ग्लोबल यूनिवर्सिटी केवल पढ़ाई तक सीमित नहीं है — बल्कि यह रचनात्मकता, भावनात्मक समझ और नेतृत्व कौशल के विकास पर भी समान ध्यान देती है। विश्वविद्यालय छात्रों को ऐसे मंच देता है जहाँ वे बौद्धिक, सामाजिक और व्यक्तिगत रूप से आगे बढ़ते हैं। हँसी, तालियों और संगीत से भरी यह शाम 'एस्पेरांजा 2025' को उम्मीद, सपनों और युवाओं की असीम संभावनाओं का प्रतीक बना गई। इसी सकारात्मक माहौल के साथ एसडीजीआई ग्लोबल यूनिवर्सिटी नए सत्र की शुरूआत नवाचार, उत्कृष्टता और बदलाव के संकल्प के साथ कर रही है।

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। समाजसेवी सत्येंद्र सिंह का हर अनुभव प्रेरणा देता है। मशहूर अभिनेता सुनील ग्रोवर के साथ यह मुलाकात सिर्फ एक फ्लाइट का सफर नहीं थी, बल्कि यह बताने का प्रतीक है कि जब जीवन में विनम्रता, सादगी और मुस्कान साथ हो तो हर यात्रा यादगार बन जाती है। सत्येंद्र सिंह जी की यही सहजता और सकारात्मक सोचे उन्हें सिर्फ एक समाजसेवी नहीं, बल्कि एक प्रेरणास्रोत बनाती है। श्री सिंह की यह पोस्ट बनी दैनिक करंट क्राइम पोस्ट ऑफ द डे।

न्यूज डायरी

मेक्सिको में भूस्खलन और बाढ़ में 37 की मौत

मेक्सिको। मेक्सिको के मध्य और दक्षिण-पूर्वी हिस्सों में लगातार हो रही भारी बारिश से आई बाढ़ और भूस्खलनों में कम से कम 37 लोगों की मौत हो गई है। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि हजारों सैनिक बचाव अभियान और लापता लोगों की तलाश में जुटे हैं। राष्ट्रीय नागरिक सुरक्षा समन्वय इकाई के अनुसार, हिदाल्गो में सबसे ज्यादा 22 लोगों की मौत हुई है। यहां करीब 150 समुदायों में बिजली आपूर्ति ठप है। पुएब्ला में 9 लोगों की मौत और 16,000 से अधिक घरों को नुकसान पहुंचा है। वहीं, वेराक्रूज राज्य में 5 लोगों की मौत हुई है।वहां भी करीब 16,000 घर प्रभावित हुए हैं। इसके अलावा क्वेरेतारो राज्य में एक बच्चे की मौत भूस्खलन में हो गई।

बांग्लादेश में गर्भवती भारतीय महिला समेत चार पर अवैध घुसपैठ करने का आरोप

ढाका। बांग्लादेश की एक अदालत गर्भवती भारतीय महिला सोनाली खातून और तीन अन्य लोगों के खिलाफ अवैध तरीके से देश में प्रवेश करने के आरोप में चार्जशीट दायर करने वाली है। इसमें दो बच्चे भी शामिल हैं। आरोप है कि सभी को भारतीय सुरक्षा एजेंसियों ने बांग्लादेशी नागरिक होने के संदेह में बांग्लादेश भेजा था। नॉर्थवेस्टर्न चपाई नवाबगंज के मुख्य सार्वजनिक अभियोजक अब्दुल वादुद ने बताया कि वरिष्ठ न्यायिक मजिस्ट्रेट अशरफुल हक ने चार्ज तय करने की सुनवाई 23 अक्तूबर को तय की है। उन्होंने कहा कि यदि आरोपी सुनवाई में दोष स्वीकार कर लेते हैं, तो उनकी भारत वापसी की राह आसान हो जाएगी।

कतर के पायलटों को ट्रेनिंग देगा अमेरिका, बनाएगा स्पेशल ट्रेनिंग सेंटर

वाशिंगटन। अमेरिकी रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने शुक्रवार को एलान किया कि पेंटागन अमेरिका के माउंटेन होम एयर फोर्स बेस में कतर के पायलटों को प्रशिक्षित करने के लिए एक स्पेशल सुविधा केंद्र बनाएगा। कतर मध्य पूर्व में अमेरिका का एक महत्वपूर्ण सहयोगी देश है। हेगसेथ ने कतर के रक्षा मंत्री के दौरे के दौरान यह एलान किया। इस व्यवस्था के तहत, माउंटेन होम एयर फोर्स बेस में कतर के एफ-15 विमान और पायलट संयुक्त प्रशिक्षण के लिए आएंगे। कतर ने एलान किया है कि वह अमेरिका की धरती पर बेस नहीं बनाएगा बल्कि, इस सुविधा केंद्र के निर्माण का खर्च उठाएगा। हालांकि, ट्रंप के करीबी लोरा लूमा ने इस योजना को घृणित बताया और कतर पर इस्लामी आतंकवादी संगठनों से जुड़े होने का आरोप लगाया।

सिंधी नेता ने अफगान विरोधी साजिशों के लिए पाकिस्तान की निंदा की

अफगानिस्तान। जेय सिंध मुत्तेहिदा महाज (जेएसएमएम) के अध्यक्ष शफी बुरफत ने कहा कि पाकिस्तानी पंजाबी सत्ता ने अपनी सैन्य मशीनरी के साथ लंबे समय से अफगान विरोधी गतिविधियों में शामिल है, लेकिन सिंधी राष्ट्र इन शत्रुतापूर्ण एजेंडों से पूरी तरह अलग है। शफी बुरफत ने सोशल मीडिया पर अफगान लोगों के साथ अटूट एकजुटता दिखाई। उन्होंने अफगान शरणार्थियों को सम्मान और करुणा के साथ विदाई देने को सिंधी राष्ट्र की नैतिक जिम्मेदारी बताया। बुरफत ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि सिंधी लोग अफगानिस्तान को अस्थिर करने के लिए पंजाबी राजनीतिक या सैन्य साजिशों का हिस्सा नहीं हैं। उन्होंने कहा कि सिंधी राष्ट्र की अपनी आकांक्षाएं हैं और वे अफगानिस्तान के साथ स्वतंत्र और मैत्रीपूर्ण संबंधों की कल्पना करते हैं। बुरफत ने सिंधुदेश की राजनीतिक आंदोलन के लिए अफगान सरकार से समर्थन मांगा है।

काजीरंगा की निदेशक सोनाली घोष को मिला आईयूसीएन केंटन मिलर पुरस्कार

नई दिल्ली। काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान और टाइगर रिजर्व की फील्ड डायरेक्टर डॉ. सोनाली घोष को राष्ट्रीय उद्यानों और संरक्षित क्षेत्रों की दीर्घकालिक टिकाऊपन के साथ नवाचार के लिए अबू धाबी में प्रतिष्ठित डब्ल्यूसीपीए-केंटन मिलर पुरस्कार मिला है। वह यह पुरस्कार जीतने वाली पहली भारतीय हैं। उन्हें आईयूसीएन वर्ल्ड कंजर्वेशन कांग्रेस में यह पुरस्कार दिया गया। डॉ. घोष का काम असम के संरक्षित पारिस्थितिकी तंत्रों के टिकाऊ प्रबंधन, स्थानीय समुदायों को शामिल करने और पर्यावरण-अनुकूल पर्यटन मॉडल को बढ़ावा देने पर केंद्रित है। केंद्रीय राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने भी आईयूसीएन सम्मेलन में भाग लिया और वैश्विक साझेदारों के साथ मिलकर काम करने की भारत की प्रतिबद्धता को पुनः पुष्टि की।

अमेरिका आने-जाने के लिए रूसी हवाई क्षेत्र से उड़ान भरने पर रोक, चीन ने की निंदा

चीन। चीन ने अमेरिका के उस प्रस्ताव की आलोचना की है जिसमें चीनी एयरलाइनों को अमेरिका आने-जाने के लिए रूसी हवाई क्षेत्र से उड़ान भरने पर रोक लगाई गई है। चीन का कहना है कि इस तरह की कार्रवाई से अंतरराष्ट्रीय यात्रा और लोगों के बीच आवाजाही को नुकसान पहुंचेगा। अमेरिका के इस कदम पर चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा, चीनी एयरलाइनों को अमेरिका आने-जाने वाली उड़ानों में रूस के ऊपर से उड़ान भरने से रोकने से यात्रा और लोगों के बीच आदान-प्रदान में बाधा उत्पन्न होगी। मंत्रालय ने कहा, दुनिया भर के अन्य देशों और यात्रियों को दंडित करने के बजाय, शायद अब समय आ गया है कि अमेरिका अपनी नीति और अमेरिकी व्यवसायों पर पड़ने वाले प्रभाव पर गंभीरता से विचार करे। उसका इशारा दूसरे देशों के खिलाफ अमेरिकी टैरिफ की तरफ भी था। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप प्रशासन ने यह कदम चीन को मिलने वाले अनुचित लाभ को देखते हुए उठाया है।

तीन कलर के कूटनीतिज्ञ कार दुर्घटना में मरे

मिस्र। मिस्र के रेड सी रिसॉर्ट शहर शार्म एल-शेख जा रहे तीन कतर के कूटनीतिज्ञ शनिवार को कार दुर्घटना में मारे गए। स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, इस हादसे में दो अन्य कूटनीतिज्ञ घायल हुए जब उनकी गाड़ी शार्म एल-शेख से लगभग 50 किलोमीटर दूर पलट गई। ये कूटनीतिज्ञ कतर के प्रोटोकॉल टीम के सदस्य थे और वे गाजा में इस्राइल और हमास के बीच युद्धविराम का जश्न मनाने के लिए होने वाली उच्चस्तरीय शिखर बैठक में शामिल होने के लिए शहर जा रहे थे। अधिकारियों ने कहा कि उन्होंने मीडिया को जानकारी देने की अनुमति नहीं होने के कारण अपना नाम गोपनीय रखा।

दक्षिण चीन सागर विवाद, चीनी जहाज ने फिलीपींस के जहाज को मारी टक्कर

बीजिंग। दक्षिण चीन सागर विवाद के एक बार फिर गमार्ने की आशंका पैदा हो गई है। दरअसल रविवार को चीनी तटरक्षक बल के एक जहाज ने फिलीपींस के तटरक्षक जहाज को टक्कर मार दी। पहले चीनी तटरक्षक बल के जवानों ने फिलीपींस के जहाज पर पानी की बौछार की और फिर टक्कर मार दी। इस टक्कर में फिलीपींस का जहाज क्षतिग्रस्त हो गया है। इससे दोनों देशों में विवाद बढ़ सकता है। घटना उस समय हुई, जब फिलीपींस के मछुआरों की नौकाओं पर नजर रखने वाला एक जहाज फिलीपींस के एक द्वीप के पास लंगर डाले खड़ा था। तभी चीनी जहाज ने उसे टक्कर मार दी। दरअसल चीन पूरे दक्षिण चीन सागर पर दावा करता है। वहीं फिलीपींस समेत कई अन्य देश भी इसके कुछ हिस्सों पर दावा करते हैं। यही विवाद की वजह है। चीन द्वारा फिलीपींस के जहाजों पर पहले भी पानी की बौछार से हमला किया गया है, लेकिन जहाज को टक्कर मारने की घटना नई है। गनीमत है कि इस हादसे में किसी को कोई चोट नहीं आई है। फिलीपींस तटरक्षक बल के कमांडर ने एक बयान में कहा कि इस तरह की आक्रामकता से डरकर फिलीपींस किसी भी विदेशी शक्ति को अपनी एक इंच भी जमीन नहीं देगा।

कैमरून में राष्ट्रपति चुनाव के लिए मतदान

अफ्रीका। अफ्रीकी देश कैमरून में रविवार को राष्ट्रपति चुनाव के लिए मतदान हुआ। इस चुनाव में अफ्रीका के सबसे उम्रदराज नेता अपने शासन को 7 साल और बढ़ाने की उम्मीद में हैं। मध्य अफ्रीकी देश के 31,000 से ज्यादा मतदान केंद्रों पर लगभग 80 लाख मतदाता, जिनमें 34,000 से ज्यादा विदेशी मतदाता शामिल हैं, मतदान कर रहे हैं। 2024 में कैमरून की जनसंख्या 2.9 करोड़ से ज्यादा रही और कई उप-सहारा अफ्रीकी देशों की तरह, इसकी आबादी में भी ज्यादातर युवा हैं। मतदान शाम 6 बजे बंद होने की उम्मीद है, और नतीजे 26 अक्टूबर तक आने की उम्मीद है।

'अमेरिका ने 100% टैरिफ लगाया तो उठाएंगे सख्त कदम' चीन ने दुर्लभ खनिज निर्यात पर प्रतिबंध का किया बचाव

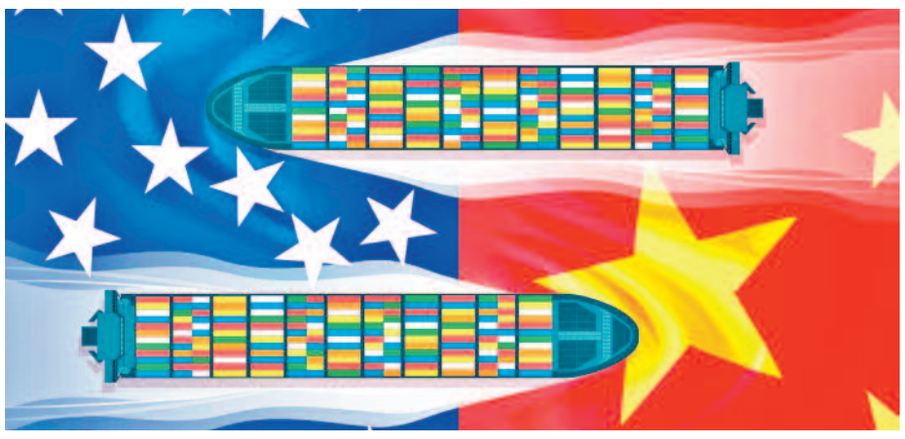

बीजिंग। चीन ने रविवार को दुर्लभ खनिजों और उनसे जुड़ी वस्तुओं पर अपने नए निर्यात नियंत्रण उपायों का बचाव किया और कहा कि यह वैश्विक शांति की रक्षा के लिए उठाया गया जायज कदम है। इसके साथ ही चीन ने अमेरिका को चेतावनी दी कि अगर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चीनी निर्यात पर सौ फीसदी टैरिफ लगाने की धमकी को अमल में लाते हैं, तो वह सख्त कदम उठाएगा।

बीजिंग ने गुरुवार को दुर्लभ खनिजों, लिथियम बैटरियों और इन खनिजों से बनी अत्यधिक कठोर सामग्री के खनन और प्रसंस्करण (प्रोसेसिंग) से जुड़ी तकनीकों और उपकरणों के निर्यात पर नए प्रतिबंधों की घोषणा की थी। ये नए नियंत्रण उपाय तत्काल प्रभाव से लागू हो गए और इसमें उत्पादन तकनीकों का विदेशी स्थानांतरण भी शामिल है।

इन नियंत्रण उपायों (जो तत्काल प्रभाव से लागू हो गए) में उत्पादन तकनीकों का विदेशी स्थानांतरण भी शामिल है। चीन ने कहा कि यह फैसला इस वजह से लिया गया है, क्योंकि कुछ विदेशी कंपनियां चीन से मिली सामग्री का उपयोग सैन्य उद्देश्यों के लिए कर रही थीं।

चीन के इस कदम पर प्रतिक्रिया देते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक नवंबर से चीनी वस्तुओं पर 100 फीसदी टैरिफ लगाने की धमकी दी। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि वह 'सभी जरूरी सॉफ्टवेयर' के निर्यात पर रोक लगा सकते हैं। इससे दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच चल रहा व्यापार युद्ध एक बार फिर भड़क सकता है।

रविवार को चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने एक बयान में ट्रंप की धमकी पर जवाब दिया और अमेरिका पर आरोप लगाया कि वह 'राष्ट्रीय सुरक्षा' की अवधारणा का जरूरत से ज्यादा विस्तार कर रहा है और चीन के खिलाफ निर्यात नियंत्रण उपायों का दुरुपयोग कर रहा है, जिसमें सेमीकंडक्टर और चिप क्षेत्रों को भी शामिल किया गया है।

कैलिफोर्निया के तट पर क्रैश हुआ हेलीकॉप्टर

कैलिफोर्निया। अमेरिका के कैलिफोर्निया में एक भीषण हेलीकॉप्टर हादसा हुआ है। यह हादसा स्थानीय समय अनुसार, शनिवार दोपहर करीब दो बजे कैलिफोर्निया के हंटिंग्टन स्ट्रीट और पैसिफिक कोस्ट हाइवे के नजदीक हुआ। इस हादसे में पांच लोग घायल हुए हैं। हादसे के वक्त दो लोग हेलीकॉप्टर में सवार थे, जिन्हें हादसे के बाद हेलीकॉप्टर से निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया। वहीं तीन अन्य लोग हादसाग्रस्त हेलीकॉप्टर की चपेट में आकर घायल हो गए।

हेलीकॉप्टर हादसे का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें दिख रहा है कि हेलीकॉप्टर काफी नीचा उड़ान भर रहा था, उसी दौरान हेलीकॉप्टर के पंख वहां मौजूद ताड़ के पेड़ों की पत्तियों से टकरा गए। इससे हेलीकॉप्टर में तकनीकी खराबी आई और हेलीकॉप्टर अचानक से ऊपर की तरफ उठा और अनियंत्रित होकर क्रैश हो गया।

विमानन क्षेत्र के दिग्गज एरिक निक्सन का था हेलीकॉप्टर

अधिकारियों का कहना है कि हादसे का शिकार हुआ विमान 1980 बेल 222 (टेल नंबर ठ222ए) है। इस हेलीकॉप्टर के मालिक विमानन क्षेत्र के जाने-माने व्यक्ति एरिक निक्सन हैं। इस दोहरे इंजन वाले मॉडल में दस लोग बैठ सकते हैं और यह लगभग 170 मील प्रति घंटे की गति से उड़ सकता है। आंकड़ों से पता चलता है कि इस हेलीकॉप्टर ने कुल 1,900 घंटे से भी कम उड़ान भरी थी और इसमें गार्मिन नेविगेशन और ड्यूल कंट्रोल लगे थे।

हादसे की वजह जानने में जुटे अधिकारी

जांच अधिकारी घटनास्थल पर मौजूद हैं और हादसे की वजह जानने की कोशिश कर रहे हैं। अधिकारियों ने इलाके की घेराबंदी कर दी है और पैसिफिक कोस्ट हाइवे को भी एहतियातन बंद कर दिया है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि हेलीकॉप्टर जब हादसे का शिकार हुआ तो पहले उन्हें लगा कि यह किसी फिल्म शूटिंग का हिस्सा है। हादसा बेहद डरावना था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, समुद्र तट पर कार्स एंड कॉप्टर्स नामक कार्यक्रम का आयोजन हो रहा था और हादसे का शिकार हुआ हेलीकॉप्टर भी उसी कार्यक्रम का हिस्सा था।

पूर्वी अफ्रीकी देश सेशेल्स के राष्ट्रपति बनेंगे हर्मिनी, चुनावी जीत पर पीएम मोदी ने दी बधाई

सेशेल्स। सेशेल्स के राष्ट्रपति चुनाव में विपक्षी नेता पैट्रिक हर्मिनी ने ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। उन्होंने मौजूदा राष्ट्रपति वेवल रामकलावन को कड़े मुकाबले में हराकर सत्ता पर कब्जा कर लिया। रविवार तड़के आए आधिकारिक नतीजों के अनुसार, हर्मिनी को 52.7% वोट मिले, जबकि रामकलावन को 47.3% वोट ही हासिल हुए।

सत्ता में पुरानी पार्टी की वापसी

पैट्रिक हर्मिनी यूनाइटेड सेशेल्स पार्टी का नेतृत्व करते हैं, जिसने 1977 से 2020 तक यानी करीब चार दशक तक इस हिंद महासागर के छोटे द्वीपीय देश पर शासन किया था। 2020 में इस पार्टी को हार का सामना करना पड़ा था, लेकिन अब दोबारा सत्ता में उसकी वापसी हुई है। वहीं रामकलावन सेशेल्वा डेमोक्रेटिक यूनियन पार्टी से आते हैं और 2020 से राष्ट्रपति पद पर थे। वे इस बार दूसरा कार्यकाल चाहते थे, लेकिन जनता ने बदलाव को प्राथमिकता दी।

पीएम मोदी ने हर्मिनी को दी बधाई

प्रधानमंत्री मोदी ने पैट्रिक हर्मिनी को राष्ट्रपति चुनाव में जीत हासिल करने पर बधाई दी है। पीएम मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा- सेशेल्स के राष्ट्रपति चुनाव में डॉ. पैट्रिक हर्मिनी की जीत पर हार्दिक बधाई। हिंद महासागर का जल हमारी साझी विरासत है और हमारे लोगों की आकांक्षाओं और आवश्यकताओं का पोषण करता है। मुझे विश्वास है कि राष्ट्रपति के रूप में उनके कार्यकाल में हमारे समय-परीक्षित और बहुआयामी संबंध और प्रगाढ़ होंगे तथा और गति पकड़ेंगे। आगामी कार्यकाल के लिए उन्हें मेरी शुभकामनाएं।

सेशेल्स में राष्ट्रपति पद की चुनावी तस्वीर

दो हफ्ते पहले हुए पहले दौर के मतदान में कोई भी उम्मीदवार बहुमत नहीं पा सका था। इसमें हर्मिनी को 48.8% और रामकलावन को 46.4% वोट मिले थे। बता दें कि, जीत के लिए किसी उम्मीदवार को 50% से अधिक वोट जरूरी थे, इसलिए 12 अक्तूबर को रनऑफ (दूसरा दौर) चुनाव कराया गया। गुरुवार से ही प्रारंभिक मतदान शुरू हो गए थे, जबकि ज्यादातर लोगों ने शनिवार को वोट डाला।

राष्ट्रपति चुनाव में छाए रहे ये मुद्दे

पर्यावरण संकट: सेशेल्स जलवायु परिवर्तन से गहराई से प्रभावित है। समुद्र के बढ़ते स्तर से तट और द्वीपों को खतरा है।

ड्रग की समस्या: देश में हेरोइन की लत एक बड़ी सामाजिक चुनौती बन चुकी है। 2017 की एक संयुक्त राष्ट्र रिपोर्ट ने सेशेल्स को ड्रग ट्रांजिट रूट बताया था। 2023 के ग्लोबल ऑर्गनाइज्ड क्राइम इंडेक्स के अनुसार यहां दुनिया में सबसे अधिक हेरोइन की लत दरों में से एक है।

पहले दौर के मतदान से एक हफ्ता पहले एक बड़ा विवाद उठा था। सरकार ने अस्सोम्पशन द्वीप के 100 एकड़ क्षेत्र को एक कतरी कंपनी को दीर्घकालीन लीज पर देने का फैसला किया था ताकि वहां लग्जरी होटल बनाया जा सके। इसमें हवाई पट्टी का पुनर्निर्माण भी शामिल था। कई स्थानीय लोगों और कार्यकर्ताओं ने इस फैसले का विरोध किया और सरकार पर विदेशी हितों को प्राथमिकता देने का आरोप लगाया।

लीमा की पटाखा फैक्टरी में लगी भीषण आग, 80 घर चपेट में आए; दमकल की 20 गाड़ियां पहुंचीं

लीमा। पेरू की राजधानी लीमा के दक्षिणी इलाके में देर रात भीषण आग लगने से बड़ा हादसा हो गया। पैम्प्लोना अल्टा इलाके में लगी इस आग ने कुछ ही मिनटों में 80 से ज्यादा घरों को राख में बदल दिया और दर्जनों परिवार बेघर हो गए। आग पर काबू पाने के लिए दमकल विभाग की 15 से 20 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और रात भर आग बुझाने में जुटी रहीं।

जानकारी के मुताबिक, 11 अक्तूबर की रात आग एवेनिडा एल सेंटेनारियो के पास स्थित 'विहेंन डेल बुएन पासो' इलाके में लगी। यह जगह पहाड़ी ढलान पर बनी झुग्गी-झोपड़ी जैसी बस्ती है, जहां ज्यादातर घर लकड़ी और टीन की छतों से बने हुए हैं। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि आग पहले कुछ प्री-फैब्रिकेटेड घरों में लगी और फिर तेजी से नीचे की ओर फैल गई। जानकारी के मुताबिक, घर एक-दूसरे के बहुत करीब थे और घरों के निर्माण में ज्वलनशील सामग्री का इस्तेमाल हुआ था। इसी वजह से आग ने कुछ ही मिनटों में ज्यादा घरों को अपनी चपेट में ले लिया। दमकलकर्मियों ने स्थिति को 'कोड 3 इमरजेंसी' घोषित किया, जिसका मतलब है कि, आग बहुत गंभीर स्तर की है और इसके फैलने का खतरा अधिक है।

आग लगने के दौरान आसपास से धमाकों की आवाजें भी सुनी गईं। अधिकारियों का मानना है कि पास में पटाखों का गोदाम या स्टोरेज एरिया हो सकता है, जिससे स्थिति और बिगड़ गई। धमाकों और मलबे के गिरने के कारण राहत और बचाव कार्य और भी कठिन हो गया। धुएं के घने गुबार और लपटों के कारण लोगों को अपने घर छोड़कर भागना पड़ा। अतिरिक्त पानी की गाड़ियां मंगवाई गईं ताकि आग को काबू में किया जा सके।

अब तक किसी के घायल या मारे जाने की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। कई परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। दमकलकर्मी और राहत एजेंसियां अभी भी इलाके की निगरानी कर रही हैं ताकि आग दोबारा न भड़के। स्थानीय प्रशासन ने नुकसान का आकलन शुरू कर दिया है और आग लगने के कारणों की जांच चल रही है। राहत टीम प्रभावित परिवारों की मदद के लिए अस्थायी ठिकाने और जरूरी सामग्री की व्यवस्था कर रही है।

नोबेल शांति विजेता मचाडो पर विवाद क्यों? इस्राइली समर्थन और विदेशी हस्तक्षेप के आरोपों से घिरी

वेनेजुएला। वेनेजुएला की लोकतंत्र समर्थक नेता मारिया कोरिना मचाडो को नोबेल शांति पुरस्कार 2025 से सम्मानित किया गया, लेकिन इस ऐलान के कुछ ही घंटों बाद विवाद शुरू हो गया। आलोचकों का कहना है कि मचाडो ने इस्राइल और गाजा में बमबारी का समर्थन किया था और अपने देश में सत्ता परिवर्तन के लिए विदेशी हस्तक्षेप की भी मांग की थी।

नॉर्वे स्थित नोबेल कमेटी ने मचाडो को लोकतंत्र की मशाल जलाए रखने वाली शांति की योद्धा बताया। समिति के अध्यक्ष जॉर्गन वॉटने फ्राइडनेस ने कहा मचाडो ने यह दिखाया है कि लोकतंत्र के औजार ही शांति के औजार हैं। उन्होंने कठिन परिस्थितियों में भी देश नहीं छोड़ा और लाखों लोगों के लिए प्रेरणा बनीं। मचाडो वेनेजुएला की विपक्षी राजनीति का प्रमुख चेहरा रही हैं और उन्होंने वर्षों से तानाशाही शासन के खिलाफ आवाज उठाई है।

हालांकि, उनके पुराने सोशल मीडिया पोस्ट्स अब विवाद का कारण बन गए हैं। आलोचक कह रहे हैं कि मचाडो ने पहले इस्राइल और प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का खुलकर समर्थन किया था। उन्होंने एक पोस्ट में लिखा था वेनेजुएला की लड़ाई, इस्राइल की लड़ाई है। एक अन्य पोस्ट में उन्होंने कहा था कि अगर वह सत्ता में आती हैं तो वेनेजुएला का दूतावास यरुशलम स्थानांतरित करेंगी। इसी वजह से कई संगठनों का मानना है कि गाजा नरसंहार के बीच उन्हें शांति पुरस्कार देना नोबेल समिति की विश्वसनीयता पर सवाल उठाता है।

अमेरिका स्थित काउंसिल ऑन अमेरिकन-इस्लामिक रिलेशंस ने इसे अविवेकपूर्ण निर्णय बताया। संगठन ने कहा कि नोबेल समिति को ऐसे व्यक्ति को सम्मानित करना चाहिए जो हर इंसान के लिए न्याय की बात करता हो, न कि उस व्यक्ति को जिसने युद्ध समर्थक रुख अपनाया। मचाडो पर एक और गंभीर आरोप है उन्होंने वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की सरकार गिराने के लिए विदेशी मदद की अपील की थी। 2018 में उन्होंने इस्राइल और अर्जेंटीना को पत्र लिखकर अपने देश में लोकतंत्र बहाल करने के लिए सहयोग मांगा था, जिसे विपक्षी हस्तक्षेप की मांग के तौर पर देखा गया।

वियतनाम में बोले सीजेआई गवई: 'कानूनी प्रणाली हर नागरिक के लिए सुलभ हो, सुनिश्चित करना वकीलों-जजों की जिम्मेदारी'

नई दिल्ली। चीफ जस्टिस (सीजेआई) बीआर गवई ने शनिवार को कहा कि वकीलों और जजों की यह जिम्मेदारी है कि वह न्याय व्यवस्था को मजबूत करें और यह सुनिश्चित करें कि कानूनी प्रक्रिया केवल बड़े शहरों तक सीमित न रहे, बल्कि देश के सबसे दूरदराज के हिस्सों में रहने वाले लोगों तक भी पहुंचे। यह बात उन्होंने वियतनाम की राजधानी हनोई में लावासिया सम्मेलन के दौरान कही, जिसका विषय 'विविधता और समावेशन को बढ़ावा देने में वकीलों और अदालतों की भूमिका' रखा गया था।

सीजेआई ने कहा कि यह जरूरी है कि जज अपने फैसलों में जो सिद्धांत व्यक्त करते हैं, वे अदालत की प्रशासनिक नीतियों में भी दिखाई दें। उन्होंने कहा, जब मैंने मई में भारत के चीफ जस्टिस का पद संभाला, तो मेरी प्राथमिकता यह थी कि अदालत में प्रशासनिक पदों की भर्ती में सकारात्मक पहल केवल कागज पर ही नहीं, बल्कि व्यवहार में भी लागू हो। मैंने निर्देश दिया कि हाशिए पर पड़े समुदायों को सभी प्रशासनिक नियुक्तियों में उनका उचित हिस्सा दिया जाए और यह प्रक्रिया पारदर्शी ढंग से लागू की जाए।

जस्टिस गवई ने कहा कि गौतम बुद्ध, महात्मा गांधी और भीमराव आंबेडकर का संजोया समानता का सपना 1950 में भारत के संविधान में साकार हुआ, जिससे उन लाखों लोगों की किस्मत बदली, जिन्हें ऐतिहासिक रूप से हाशिए पर रखा गया था। उन्होंने कहा, मैं एक निम्न जाति में जन्मा था, इसका मतलब यह था कि मैं अब अछूत नहीं हूं। संविधान ने मेरी गरिमा को हर दूसरे नागरिक के बराबर माना। इसने मुझे केवल सुरक्षा ही नहीं, बल्कि अवसर, स्वतंत्रता और समाज में पहचान पाने का भी वादा दिया।

- सीजेआई ने वकीलों से कहा कि वे महिलाओं को सिर्फ इसलिए नौकरी पर रखने में संकोच न करें कि उन्हें मातृत्व अवकाश लेना पड़ सकता है।

सीजेआई ने वकीलों से कहा कि वे महिलाओं को सिर्फ इसलिए नौकरी पर रखने में संकोच न करें कि उन्हें मातृत्व अवकाश लेना पड़ सकता है। समय की पाबंदियां हो सकती हैं या प्रतिबद्धता को लेकर गलत धारणाएं हैं। उन्होंने कहा, ऐसे पूर्वाग्रह अनुचित और प्रतिकूल होते हैं। वकीलों की यह जिम्मेदारी है कि वे जिन सिद्धांतों की पैरवी अदालत और सार्वजनिक जीवन में करते हैं, उन्हें अपने कार्यस्थलों और पेशेवर आचरण में भी लागू करें।

शटडाउन के बीच अमेरिकी सैनिकों को वेतन देने के लिए पेंटागन का इस्तेमाल

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को पेंटागन को निर्देश दिया है कि शटडाउन के दौरान अमेरिकी सैनिकों को 15 अक्तूबर को वेतन सुनिश्चित करने के लिए सभी उपलब्ध फंड का इस्तेमाल किया जाए। ट्रंप ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा हमारे बहादुर सैनिक वह वेतन नहीं खोना चाहिए जो उन्हें अधिकारपूर्वक मिलना है।

यह कदम शटडाउन के दौरान सैनिकों को वेतन भुगतान सुनिश्चित करने के लिए एक अल्पकालिक उपाय है, लेकिन इसके तहत फेडरल कर्मचारियों को कोई राहत नहीं मिलेगी, जो अब तक वेतन के बिना काम कर रहे हैं और हजारों कर्मचारियों को नौकरी से निकाला गया है।

ट्रंप ने डेमोक्रेट्स को जिम्मेदार ठहराया और कहा कि उन्होंने अपने कमांडर इन चीफ के अधिकार का इस्तेमाल करते हुए रक्षा सचिव पीट हेगसेथ को निर्देश दिया है कि वे सैनिकों का वेतन भुगतान सुनिश्चित करें। उन्होंने बताया कि इसके लिए फंड पहचान लिया गया है, लेकिन फंड के स्रोत का खुलासा नहीं किया। संभावना है कि यह राशि रक्षा विभाग के अनुसंधान और विकास फंड से ली जाएगी।

संघीय कर्मचारियों को नौकरी से निकालना शुरू किया

ट्रंप सरकार ने संघीय कर्मचारियों को नौकरी से निकालना शुरू कर दिया है, यह ट्रंप प्रशासन द्वारा डेमोक्रेट पार्टी पर दबाव बनाने की रणनीति के तौर पर देखा जा रहा है, लेकिन इससे अमेरिका में राजनीतिक संकट गहराने की आशंका है। अमेरिका के बजट एवं प्रबंधन कार्यालय के निदेशक रस वॉट ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा कि छंटनी शुरू हो गई है।

अमेरिका में लगभग 1.3 मिलियन सक्रिय सैनिक हैं और शटडाउन के चलते उनकी अगले वेतन में देरी का खतरा था। पिछले शटडाउन में कांग्रेस ने सैनिकों के वेतन सुनिश्चित करने के लिए कानून पारित किया था। हालांकि, फेडरल कर्मचारियों के लिए यह कदम नहीं उठाया गया।

पूर्व विधायक प्रशांत चौधरी ने की लखनऊ में सीएम, डिप्टी सीएम, प्रदेश संगठन महामंत्री सहित कई दिग्गजों से मुलाकात

गाजियाबाद, करंट क्राइम। पूर्व विधायक प्रशांत चौधरी तथा वुड हिल के डायरेक्टर विवेक भाटी तथा सिद्धार्थ चौधरी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की। इसके अलावा डिप्टी सीएम बृजेश पाठक, प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी तथा प्रदेश संगठन महामंत्री धर्मपाल सिंह से मुलाकात की। यह एक शिष्टाचार मुलाकात थी और इस दौरान विभिन्न विषयों पर विचार विमर्श भी हुआ।

ललित फाउंडेशन तथा हिंदी भवन समिति के संयुक्त तत्वाधान में युवा कवि सम्मेलन का आयोजन किया

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। युवा कवि सम्मेलन में देश के जाने-माने कवियों ने अपनी रचनाएं प्रस्तुत की। हिंदी भवन समिति तथा ललित फाउंडेशन के अध्यक्ष ललित जायसवाल तथा हिंदी समिति के महामंत्री सुभाष गर्ग ने इस अवसर पर गणमान्य अतिथियों का स्वागत किया।

रक्तदान से समाज में मानवता की भावना को बढ़ावा मिलता है : अतुल गर्ग

गाजियाबाद, करंट क्राइम। 'वनवासी कल्याण आश्रम' गाजियाबाद इकाई की ओर से रक्तदान शिविर का आयोजन कवि नगर स्थित आपका भवन सभागार में किया गया। शिविर का शुभारंभ स्थानीय सांसद अतुल गर्ग ने दीप प्रज्वलित कर किया।

शिविर में संस्था की शाखा द्वारा 70 यूनिट रक्त संचय किया गया। इस अवसर पर सांसद अतुल गर्ग ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन समाज सेवा की भावना को सशक्त बनाते हैं। उन्होंने कहा, रक्तदान का मुख्य उद्देश्य जरूरतमंद लोगों की जान बचाना और समाज में मानवता की भावना को बढ़ावा देना है। रक्तदान जीवनदान है।

वनवासी कल्याण आश्रम के संगठन मंत्री डालचंद ने कहा कि यह शिविर केवल रक्त संग्रह का माध्यम नहीं था, बल्कि मानवता और निस्वार्थ सेवा का सशक्त संदेश भी है। उन्होंने कहा, रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं। यह रक्त तब किसी इंसान की जान बचाता है, जब उसे इसकी सबसे अधिक जरूरत होती है।

शिविर में शहर के अनेक जागरूक नागरिकों ने भाग लेकर इस पुनीत कार्य को सफल बनाया। इस अवसर पर राजकुमार सिंघल, मनीष सीए, सचिन सिंघल, विवेक सिंघल, रजनीश अग्रवाल, अंबरीश, विनय सिंघल, अशोक सिंघल, भानु सिसोदिया, दिनेश गर्ग, डॉ. अरुण अरोरा, नवीन (शगुन वाले), राहुल यादव, विपुल अग्रवाल, गिरीश कुमार, सौरभ सिंघल और अश्विन शर्मा सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने पुलिस कमिश्नर ऑफिस के बाहर देखा कूड़ा, मौके पर लगाई फटकार

गाजियाबाद, करंट क्राइम : त्योहारों से पहले शहर को स्वच्छ और आकर्षक बनाने के लिए नगर निगम गाजियाबाद का अभियान अब पूरे जोर पर है। इसी क्रम में रविवार को नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने निरीक्षण के दौरान जब पुलिस कमिश्नर ऑफिस की सर्विस रोड पर फैली गंदगी और कूड़े के ढेर देखे, तो उन्होंने मौके पर ही जिम्मेदार सफाई कर्मचारियों को बुलाया और कड़ी फटकार लगाई। सूत्रों के अनुसार, नगर आयुक्त ने नाराजगी जताते हुए साफ कहा कि प्रशासनिक कार्यालयों के बाहर ऐसी गंदगी बिल्कुल अस्वीकार्य है। उन्होंने तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। आदेश मिलते ही नगर निगम की टीम मौके पर पहुंची और जेसीबी मशीन लगाकर कूड़े के ढेर को तुरंत हटवाया गया।

जेसीबी मंगवाकर तुरंत साफ कराया इलाका, त्योहारी सीजन में स्वच्छता को लेकर नगर निगम सख्त

गाजियाबाद को नंबर-1 क्लीन सिटी बनाना लक्ष्य : नगर आयुक्त

करंट क्राइम : नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने कहा कि गाजियाबाद ने बीते कुछ वर्षों में स्वच्छता रैंकिंग में लगातार सुधार किया है। अब लक्ष्य है कि त्योहारी सीजन तक शहर को पूर्णतः गंदगी मुक्त बनाया जाए। उन्होंने कहा कि नागरिकों से भी अपेक्षा है कि वे कूड़ा खुले में न फेंकें, निगम के निर्धारित वाहनों में ही दें और अपने आसपास साफ-सफाई बनाए रखें। शहर तभी स्वच्छ बनेगा जब प्रशासन और जनता दोनों मिलकर काम करेंगे।

स्वच्छता पर खुद नजर रख रहे हैं नगर आयुक्त

करंट क्राइम : नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक स्वयं पूरे शहर की स्वच्छता व्यवस्था पर नजर बनाए हुए हैं। उनका स्पष्ट निर्देश है कि कूड़ा कहां फेंका जा रहा है, ग्रीन बेल्ट पर कब्जा या गंदगी कहां जमा है — इन सब पर तत्काल कार्रवाई की जाए। त्योहारों के सीजन में नगर निगम ने क्लीन और ग्रीन गाजियाबाद मिशन के तहत कई टीमें गठित की हैं जो सुबह-शाम निरीक्षण कर रही हैं। नगर आयुक्त स्वयं इस अभियान की मॉनिटरिंग कर रहे हैं और शिकायत या निरीक्षण के दौरान यदि कहीं भी गंदगी पाई जाती है, तो मौके पर ही कार्रवाई के आदेश दे रहे हैं। नगर आयुक्त ने कहा है कि जहां भी गंदगी या कूड़े का ढेर मिलेगा, वहां तत्काल सफाई करवाई जाएगी और लापरवाह कर्मचारियों पर सख्त कार्रवाई होगी।

ग्रीन बेल्ट की सुंदरता बढ़ाने का अभियान भी तेज

करंट क्राइम : स्वच्छता के इस अभियान के तहत नगर निगम गाजियाबाद द्वारा पुलिस लाइन के निकट स्थित लंबी ग्रीन बेल्ट को भी संवारने का कार्य किया जा रहा है। कुछ दिनों पूर्व जब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गाजियाबाद आए थे और पूर्व सांसद रमेश चंद तोमर की पुस्तक का विमोचन किया था, उस समय यहां पूरी ग्रीन बेल्ट को साफ-सुथरा और आकर्षक बनाया गया था। अब उसी क्रम में नगर निगम ने इस ग्रीन बेल्ट को स्थायी रूप से सुंदर और स्वच्छ बनाए रखने का निर्णय लिया है। निगम की टीमें इस क्षेत्र में नई बैरिकेडिंग, पौधारोपण और नियमित सफाई कार्य कर रही हैं। यह अभियान गोविंदपुरम से लेकर हापुड़ चुंगी तक के पूरे क्षेत्र में चलाया जा रहा है।

सम्मान

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। मिहिर भोज फाउंडेशन द्वारा आयोजित कवि सम्मेलन में सिविल डिफेंस के चीफ वार्डन तथा हिंदी भवन समिति के अध्यक्ष ललित जायसवाल को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में ओज रस के महान कवि हरिओम पवार, पूर्व विधायक रूप चौधरी, संजय भाई जोशी ने ललित जायसवाल को सम्मानित किया।

कार्तिक माह के पांचवें दिन कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा ने बांटा भंडारा

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। कैबिनेट मंत्री सुनील कुमार शर्मा ने कार्तिक माह के पांचवें दिन भंडारे का आयोजन किया, जिसमें हजारों महानुभावों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस मौके पर भोपुरा मंडल के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम में कुलदीप कसाना पूर्व मंडल अध्यक्ष, राजकुमार चंदेल, उदयवीर भोला, जितेंद्र सेन, अभिषेक टांग, ब्रह्मपाल चंदेल, प्रियंका पांडे, रविंद्र नगर, सुनील धामी, चंद्र भूषण, मीनाक्षी शर्मा, लता भावना, शेली शर्मा, बबीता कसाना, संदीप सरदार, कोमल, काजल, चौधरी, गुड्डू पांडे, वीरेंद्र मिश्रा, जुगेश, सतीश ढिल्लों, धर्मेंद्र नगर, महेश चंद विकास, रुदल यादव, कैलाश यादव हरिचंद शर्मा सहित कार्यालय प्रभारी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के आयोजन का उद्देश्य समाज के विभिन्न वर्गों को एकजुट करना और सामाजिक सौहार्द को बढ़ावा देना था। इस मौके पर कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा ने कहा कि समाज के विभिन्न वर्गों को एकजुट करने और सामाजिक सौहार्द को बढ़ावा देने के लिए इस तरह के कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है।

भाजपा नेता अनमोल खन्ना को पितृ शोक

साहिबाबाद (करंट क्राइम)। भाजपा नेता अनमोल खन्ना निवासी सूर्य नगर रामपुरी को पितशोक हुआ है। शनिवार देर शाम उनके पिता सुनील खन्ना ने अंतिम सांस ली। उनके आकस्मिक निधन होने पर उनके जानकार, परिजन और समाज से जुड़े लोग उनके घर पहुंचे और शोक संवेदनाएं दी। अनमोल खन्ना ने बताया है कि वह अचानक टीवी देखते हुए काडिक अटैक का शिकार हो गए। इस दुखद समाचार के मिलते ही अनमोल के सूर्य नगर स्थित रामपुरी सहित आवास पर लोगों के पहुंचने का सिलसिला लगा रहा। बता दें कि सुनील खन्ना लंबे समय से स्थानीय राजनीति में सक्रिय रहे और सिख समाज में भी अग्रणी भूमिका निभाते रहे हैं। उनके निधन पर स्थानीय लोग, भाजपा कार्यकर्ता और परिवारजनों को शोक संवेदना व्यक्त करने उनके निवास स्थान पहुंचे। दुःख की इस घड़ी में दैनिक करंट क्राइम परिवार भी सांत्वना प्रदान करता है। रविवार को उनका दिल्ली के निगम बोध घाट पर अंतिम संस्कार किया गया।

बसें न होने से तीन गुना किराया देकर यात्रा करने को मजबूर यात्री

ग्रेटर नोएडा। दादरी-नोएडा रूट पर रोडवेज और निजी बसें नहीं होने पर दैनिक यात्री तीन गुना किराया देकर यात्रा करने पर मजबूर है। 30 किलोमीटर की दूरी तय करने के लिए तीन से चार ऑटो बदलने पड़ते है। यात्रियों को रोजाना डेढ़ से दो घंटे का अधिक समय लगता है। दैनिक यात्रियों और व्यापारियों ने प्रशासन से रोडवेज बसें चलाने की मांग की है। नोएडा और ग्रेटर नोएडा के सृजन होने से पहले दादरी से दिल्ली के बीच केवल यह सड़क थी। इस सड़क पर दादरी से सूरजपुर, कुलेसरा, भंगेल, अटटा, नया बांस गांव के लिए निजी बसें चलती थी। इस रूट पर सवा सौ से लेकर डेढ़ सौ बसों को संचालन होता था। नोएडा का सजृन होने के बाद दादरी से नोएडा के बीच इन बसों को संचालन होता रहा। उस दौरान दादरी से सेक्टर-6 नोएडा के लिए बस का किराया दस रुपया था। समय के साथ इस रूट पर यात्रियों की संख्या तो बढ़ती गई लेकिन रोडवेज की बसें न के बराबर रही।

- क्यों कहा कहने वाले ने कि नदिया पार वाले मैम्बर हसबैंड मिस्टर भाटी को शायद नहीं होगी इस बात की जानकारी? वो लगा देंगे अगर चीफ गेस्ट से बड़ा फोटो तो मामला पड़ जायेगा उन पर भारी? सुना है जैसे ही उन्होंने किया ये काम? वैसे ही हैवीवेट वालों की उस पर नजर दौड़ गई श्रीमान? उन्होंने चौड़े में सुना दी उनको ये बात? आपको तो अपना फोटो लगाने की जरूरत ही नहीं थी साहब? देखना अब ये है आगे क्या असर दिखायेगी भाटी जी के ऊपर ये हिदायत वाली बात?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि हमारी पड़ी कवि सम्मेलन से पहले वसुंधरा वाले परशुराम चौक पर नजर? हम देख रहे थे पूर्व विधायक के होर्डिंग इधर भी नजर आ रहे थे और नजर आ रहे थे उधर? फिर अचानक कवि सम्मेलन के अगले दिन ही सभी होर्डिंग हो गये पूरी तरह साफ? कहने वाले ने कहा आखिर ऐसा क्यों हुआ हमें समझ नहीं आ रही है बात? हमें तो सच में अच्छा लगता है उनका रूप? हम तो उनके होर्डिंग बहुत दिनों तक देखना चाहते हैं खूब?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि हम नदिया पार के एक मैम्बर की बता रहे हैं बात? उनके मौहल्ले में घर के आगे बना ली रैम्प तो आपका हो सकता है नुकसान? कहने वाले ने कहा वो रैम्प तुड़वाने का कर देते हैं मकान मालिक से ऐलान? जो ऐलान की रकम नहीं दे पाता है उसका रैम्प ध्वस्त हो जाता है श्रीमान? जो चुका देता है कीमत, उसका काम हो जाता है आसान? अब आप हमसे इन मैम्बर का नाम मत पूछना? क्योंकि दीवारों के भी होते हैं कान? सुना है चार पेटी में हुआ है एक गृहस्वामी की समस्या का समाधान?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि कभी कड़कड़ से लड़ा था युवा यादव ने कड़कड़ाते हुए भगवा सिम्बल पर चुनाव? मगर तमाम कोशिशों के बाद जागा नहीं उनका भाग? हमको लग रहा था अब अगली बार चुनाव जीतने के लिए उनके दिल में जल गई होगी प्रतिशोध की आग? मगर हमारी ये गलतफहमी आजकल हो गई है बिल्कुल साफ? सुना है वो अब इस इलाके में नहीं रहे हैं बिल्कुल भी झांक? जैसे अभी से करा रहे हों वो यहां से दूरियों का एहसास?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि युवा वाले मिस्टर चौधरी की है एक खास बात? वो सम्मान को लेकर सीमाएं नहीं देखते? इतना रहता है उनका सामने वाले के प्रति भाव? हम देखते हैं अपनों को देखकर हो जाता है उनका सीना चौड़ा? हाल ही में वो बधाई देने वहां पर गये थे जिसे कहा जाता है गढ़-पिथौड़ा? कहने वाले ने कहा इतनी दूर तो वही चेहरा जा सकता है जिसके दिल में प्यार सागर हो, ना हो बूंद की तरह थोड़ा?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि इन दिनों गाजियाबाद के एक बड़े और मजबूत समाजसेवी का सामना चल रहा है पूर्व और वर्तमान वालों के साथ? पूर्व वाले तो इस वक्त पूरी शिद्दत से उनके पीछे पड़े हैं लेकर मन में प्रतिशोध की आग? हालांकि वर्तमान वालों के साथ समाजसेवी की ओपनली नहीं दिख रही है तकरार? मगर माहौल जिस हिसाब का नजर आ रहा है? उससे लग रहा है भविष्य में यहां पर भी दिखाई देने वाली है रार?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि गाजियाबाद के ताकतवर समाजसेवी ने भी एक बात ली है ठान? वो पूर्व वालों के सामने हथियार नहीं डालेंगे? भले ही सामने वाला बनाये कितने ही तरह के प्लान? सुना है पूर्व में भी इन समाज सेवी ने पूर्व वालों से लड़ी थी लंबी लड़ाई? कहने वाले ने कहा जब बात हद से गुजर जाती है? तब ये योद्धा बन जाते हैं भाई? फिर ये नहीं डालते हैं किसी भी सूरत में हथियार? किरदार ये अपना सौम्य रखते हैं मगर जब बात आन पर आती है? तो फिर ये हो जाते हैं हर जंग लड़ने के लिए तैयार?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि संगठन के एक बड़े पदाधिकारी ने दे दिया है कहीं पर संदेशा? साहिबाबाद, शहर और मुरादनगर में से किसी भी सीट पर चुनाव लड़ सकता है वैश्य चेहरे का फेस? सुना है संदेश देने वाले संगठन के पदाधिकारी के भी है चुनाव लड़ने के अरमान? इसलिए वो आजकल लगातार बारीकी से संदेश दे रहे हैं श्रीमान?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि भगवागढ़ के जेन्टलमैन सरदार एसपी सिंह अब हो गये हैं मौलाना साहब वाले फाउंडेशन में पूर्व? सुना है इसमें रहकर उन्होंने जिम्मेदारी संभाली थी अभूतपूर्व? अब फिलहाल चल रहे हैं वो खाली? हम देखना चाहते हैं कब बजेगी अब उनके पक्ष में ताली? कहने वाले ने कहा हो गई है उनकी पार्टी में एक उम्र? देखना अब ये है कि कोई मजबूत व्यवस्था देकर पार्टी करती है या नहीं करती है कोई फिक्र?
- क्यों कहा कहने वाले ने कि अगर आप कांग्रेस वालों की करोगे बात? तो इन दिनों मिस्टर चौधरी से लेकर मिस्टर यादव जी कहां है? पता नहीं चल रहा है साहब? नहीं हो रहें है किसी भी पार्टी के कार्यक्रम में उनके दीदार? कहने वाले ने कहा हमेशा पद पर बने रहें? ये जरूरी तो नही है यार?

नोट : उठते सवालों का करंट लेखक की व्यक्तिगत राय नहीं है, बल्कि रोजाना क्षेत्र में उठने वाली चर्चाओं का संग्रह है।

चिन्टू जी

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। चिंटू जी की गुस्ताखियां माफ हों.. नोट : चिंटू जी कॉलम अखबार में ही प्रकाशित होता है। इस किरदार का सोशल मीडिया पर अखबार से अतिरिक्त डाली गई पोस्ट से कोई संबंध नहीं है।